अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 141 | लखनऊ, शुक्रवार, 05 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

रूस और भारत ने दोनों देशों की 'दोस्ती' को समय की कसौटी पर खरा बताया

- राजनाथ सिंह ने कहा, रूस के साथ हमारा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग काफी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आए रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ राजनाथ सिंह ने गुरुवार को मानेकशॉ सेंटर में बैठक की। 22वीं भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की मंत्रिस्तरीय बैठक में रक्षा मंत्रियों ने दोनों देशों की दोस्ती को समय की कसौटी पर खरा बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद हमारा आपसी सहयोग अच्छी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। हमारे सशस्त्र बलों और विशेषज्ञों के बीच भी हमारी रक्षा साझीदार बढ़ रही है।

बैठक की सह अध्यक्षता करते हुए राजनाथ सिंह ने रूसी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी लोग द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा करने और उसे बढ़ावा देने के लिए इतनी दूर भारत आए। उन्होंने कहा कि रूस भारत का समय की कसौटी पर खरा उतरने वाला विशेष अधिकार प्राप्त और रणनीतिक साझेदार है और 2000 में भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी की घोषणा पर हस्ताक्षर होने के बाद से हमारा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग काफी बढ़ा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम पिछले महीने मॉस्को में ट्रेड और इकोनॉमिक कोऑपरेशन पर इंडिया-रशिया वर्किंग ग्रुप की 26वीं मीटिंग के सफल आयोजन और रूस के नेतृत्व वाले यूरेशियन आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू होने का स्वागत करते हैं। हम 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, जो आज पूरा हो गया है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच बैठक दोनों देशों के बीच स्पेशल प्रिविलेज्ड पार्टनरशिप को और मजबूत करेगी।

संक्षिप्त

एसआईआर के बीच बड़ी संख्या में लौट रहे हैं बांग्लादेशी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के बीच भारत ऽ बांग्लादेश सीमा पर हलचल तेज हो गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) नॉर्थ बंगाल फ्रंटियर के आईजी मुकेश त्यागी ने बताया कि एसआईआर शुरू होने के बाद बांग्लादेशी नागरिकों के अपने देश लौटने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। बीते वर्ष भारत से कुल 47 बांग्लादेशी नागरिक लौटे थे, जबकि इस वर्ष पिछले तीन माह में ही 186 नागरिक वापस जा चुके हैं। आईजी मुकेश त्यागी ने गुरुवार को कदमतला स्थित नॉर्थ बंगाल फ्रंटियर मुख्यालय में बीएसएफ के 61वें स्थापना दिवस पर संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 27 अक्टूबर को एसआईआर की घोषणा होने के बाद उत्तर 24 परगना के सीमा इलाकों से रोजाना बड़ी संख्या में लोग बांग्लादेश की ओर लौटते देखे गए हैं।

असाधारण हिम्मत और पक्के इरादे का दूसरा नाम है भारतीय नौसेना : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौसेना दिवस पर सभी नौसैनिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि भारतीय नौसेना हिम्मत और पक्के इरादे का दूसरा नाम है। श्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा,'' भारतीय नौसेना के सभी जवानों को नौसेना दिवस की शुभकामनाएं। हमारी नौसेना असाधारण हिम्मत और पक्के इरादे का दूसरा नाम है। वे हमारे तटों की रक्षा करते हैं और हमारे समुद्री हितों को बनाए रखते हैं। हाल के सालों में, हमारी नौसेना ने आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण पर ध्यान दिया है।

एक साल में खत्म होगा मौजूदा टोल सिस्टम, लागू होगा नया इलेक्ट्रॉनिक मॉडल : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में घोषणा की कि देश में टोल कलेक्शन का मौजूदा सिस्टम एक वर्ष के भीतर समाप्त कर दिया जाएगा। इसकी जगह नया इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन मॉडल लागू किया जाएगा, जिससे हाई-वे उपयोगकर्ताओं को यात्रा के दौरान पूरी तरह बाधारहित और बेहतर अनुभव मिलेगा। गडकरी ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि यह नई प्रणाली प्रयोगात्मक रूप से 10 स्थानों पर शुरू की जा चुकी है और अगले एक वर्ष में इसे पूरे देश में विस्तारित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ल्लयह टोल सिस्टम खत्म हो जाएगा। टोल के नाम पर आपको कोई नहीं रोकेगा। एक साल के अंदर पूरे देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन लागू कर दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि वर्तमान में देशभर में 10 लाख करोड़ रुपये लागत के 4,500 से अधिक हाई-वे परियोजनाएं प्रगति पर हैं।

तंबाकू, पान-मसाला जैसे उत्पादों के लिए एक नई कर व्यवस्था होगी लागू, विधेयक पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 लोकसभा में चर्चा एवं पारित करने के लिए गुरुवार को पेश किया। विधेयक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और जनस्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने के लिए उपकर लगाना है।

वित्त मंत्री ने कहा कि यह उपकर आवश्यक वस्तुओं पर नहीं तंबाकू और पान मसाला जैसे उत्पादों पर लगाया जाएगा। इससे स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के लिए भी धन जुटाया जाएगा। इससे सेना और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए संसाधन जुटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पान मसला पर उपकर लगाने से इसका उपयोग भी कम होगा। इसका एक हिस्सा राज्यों के साथ स्वास्थ्य जागरुकता एवं स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं और गतिविधियों के लिए साझा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पान मसाला पर 40 प्रतिशत कर जारी रहेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि पान मसाला पर उपकर नहीं लगाया जा सकता है। इस कारण से सरकार अलग से विधेयक लेकर आई है। यह उपकर पान मसाला उत्पादकों की उत्पादन क्षमता पर लगेगा। निर्माताओं की मशीनरी, उत्पादन प्रक्रिया और अधिकतम क्षमता का आकलन कर एक निश्चित उपकर लगाया जाएगा। इससे समर्पित और पहले से तय संसाधन सुनिश्चित होंगे।

नैमिषारण्य-मथुरा रेल जोड़ो अभियान: पीएम और रेल मंत्री को भेजा विस्तृत प्रस्ताव

- उत्तर प्रदेश की समिति ने 112 किमी नई रेल लाइन बिछाने की मांग की, सीतापुर-हरदोई-फर्रुखाबाद मार्ग से मथुरा तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी
- अभियान को सांसद, मंत्री और संतों का समर्थन, प्रदेश के पांच प्रमुख वैश्विक तीर्थ एक-दूसरे से जुड़ेंगे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हरदोई। उत्तर प्रदेश के नैमिषारण्यऽमथुरा रेल जोड़ो अभियान को नई गति मिल गई है। नैमिषारण्य/मथुरा रेल जोड़ो अभियान समिति ने प्रधानमंत्री, रेल मंत्री और मुख्यमंत्री को 112 किलोमीटर नई रेल लाइन बिछाकर नैमिषारण्य को हरदोई होते हुए फर्रुखाबाद और फिर मथुरा से जोड़ने का विस्तृत प्रस्ताव भेजा है।

समिति ने कहा कि यह परियोजना प्रदेश के पाँच वैश्विक तीर्थों ऽ काशी, अयोध्या, मथुरा, प्रयागराज और नैमिषारण्य ऽ को एक-दूसरे से जोड़ने में ऐतिहासिक महत्व रखती है। समिति का कहना है कि नैमिषारण्य भारत का प्राचीनतम तीर्थ है, लेकिन आज भी यह अन्य प्रमुख तीर्थों से रेल मार्ग से पूरी तरह जुड़ा नहीं है। वर्तमान में तीर्थ यात्रियों को लखनऊ या बरेली होते हुए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

प्रस्ताव के अनुसार, सीतापुर/नैमिषारण्य से हरदोई और फिर फर्रुखाबाद तक रेल लाइन बिछाई जाए, जिससे मथुरा और आगरा तक तीर्थ कॉरिडोर तैयार हो सके।

समिति ने दावा किया कि इस अभियान को मथुरा की सांसद हेमा मालिनी, पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, मंत्री बृजेश पाठक, पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, कई सांसद-विधायक, जिलाध्यक्ष और संतों का समर्थन पहले ही मिल चुका है।

इसके अलावा कई पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय, रेल मंत्रालय और राज्य सरकार को भेजे जा चुके हैं।

नई रेल लाइन से लाभ: 1. बेहतर तीर्थ कनेक्टिविटी: सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, मथुरा, आगरा समेत कई जिलों में कनेक्टिविटी मजबूत होगी। 2. तीर्थ यात्रियों की सुविधा: पूर्वी यूपी, बिहार, बंगाल और उत्तर-पूर्व से आने वाले यात्रियों को दूरी और समय की बचत होगी। 3. रेलवे नेटवर्क में सुधार: गोरखपुर-बुढ़वल-सीतापुर-हरदोई-फर्रुखाबाद-कानपुर-आगरा-मथुरा मार्ग से व्यस्त रूटों पर दबाव कम होगा। 4.माल ढुलाई और पर्यटन बढ़ावा: नई लाइन से मालगाड़ियों और तीर्थ पर्यटन में वृद्धि होगी। समिति का मानना है कि नया रेल कॉरिडोर पूर्वी भारत को पश्चिमी और दक्षिण भारत से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण होगा, जिससे भारत के विभिन्न राज्यों से तीर्थयात्रियों और माल परिवहन को सुविधाजनक बनाया जा सके। समिति ने अनुरोध किया है कि इस परियोजना को आगामी केंद्रीय बजट में शामिल किया जाए, ताकि तीर्थ पर्यटन, धार्मिक यात्राओं, माल परिवहन और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिल सके।

1. 112 किमी नई रेलवे लाइन बिछाने की मांग। सीतापुर-हरदोई-फर्रुखाबाद मार्ग से मथुरा को जोड़ा जाएगा।
2. नैमिषारण्य को काशी, अयोध्या, मथुरा और प्रयागराज से जोड़ने की योजना।
3. सांसद, मंत्री और संतों ने पहले ही समर्थन दिया।
4. नया रेल कॉरिडोर पूर्वी भारत से पश्चिमी भारत तक कनेक्टिविटी बढ़ाएगा।
5. तीर्थ यात्रियों और माल ढुलाई के लिए सुविधा सुनिश्चित होगी।

अखिलेश की पीडीए पाठशाला में 'ए' से अल्पसंख्यक नहीं " आधी आबादी

पीडीए में 'ए' अब 'आधी आबादी': अखिलेश का चुनावी दांव और यूपी की बदलती राजनीति

- सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने PDA का अर्थ बदलकर 'A = आधी आबादी' किया
- यूपी की 48% महिला मतदाता बनीं सपा की नई चुनावी प्राथमिकता
- चार राज्यों—महाराष्ट्र, एमपी, हरियाणा और बिहार—के अनुभवों से मिला बड़ा संकेत
- महिला वोटर अब चुनाव का नतीजा तय करने वाली शक्ति के रूप में उभरीं
- सपा की नई नीति: स्त्री सम्मान-समृद्धि योजना का ऐलान
- मासिक आर्थिक सहायता, कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता पैकेज और सुरक्षा प्रोटोकॉल शामिल

मनोज शुक्ला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव सामने आया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने अपनी चुनावी रणनीति को नया रूप देते हुए घोषणा की कि PDA में 'A' का अर्थ अब 'आधी आबादी' यानी महिलाएँ होगा। यह बयान सिर्फ एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि एक गहरी रणनीति का संकेत है—वह रणनीति जिसे सपा आने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी पूरी ताकत से लागू करना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा—"PDA में 'A' अब 'आधी आबादी' है। यही हर महिला का सम्मान और उसका भविष्य है। उनका यह संदेश साफ तौर पर यह दर्शाता है कि सपा अब महिलाओं को अपनी राजनीति के केंद्र में लाने जा रही है।

PDA का नया समीकरण—सपा की राजनीति का सबसे बड़ा बदलाव

पहले PDA का अर्थ था—पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक लेकिन अब यह बदलकर हो गया है— PDA = पिछड़े + दलित + आधी आबादी (महिलाएँ) यह सिर्फ एक शब्द नहीं बदला है, बल्कि पूरी राजनीति और वोटर टार्गेटिंग का फोकस बदल गया है। सपा ने यह कदम लंबी सोच के साथ उठाया है।भारत की राजनीति में महिला मतदाता अब चुनाव का सबसे निर्णायक वोट बैंक बन चुकी हैं और यूपी में यह प्रभाव और भी अधिक है।

UP में महिला मतदाता—चुनाव का सबसे बड़ा फैक्टर- उत्तर प्रदेश में महिला मतदाताओं का अनुपात लगभग 48% है यानी वोट देने वाले हर दो लोगों में एक महिला होती है। यह आँकड़ा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि:। महिलाएँ अब स्वतंत्र राजनीतिक निर्णय लेती हैं। योजनाओं का सबसे सीधा लाभ महिलाओं को मिलता है। महिला वोटर को स्थिर वोट बैंक माना जाता है—जो एक बार निर्णय ले तो बड़े पैमाने पर उसी दिशा में वोट करती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएँ पुरुषों से अधिक मतदान कर रही हैं। यूपी में महिला मतदाताओं का यह उभार सपा की राजनीति के लिए निर्णायक वजह बन गया है।

चार राज्यों के चुनावों से मिली सीख—महिला शक्ति ने बदल दिया खेल - पिछले कुछ चुनावों में देश के चार प्रमुख राज्यों—महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा और बिहार—ने एक स्पष्ट और बड़ा संदेश दिया है कि महिला मतदाता अब किसी भी चुनाव का परिणाम अकेले बदल सकती हैं। महाराष्ट्र में ग्रामीण महिलाओं ने कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाई और जहाँ उनका मत झुका, जीत भी उसी उम्मीदवार की हुई। मध्य प्रदेश इसका सबसे बड़ा उदाहरण रहा, जहाँ लाड़ली बहना योजना ने लगभग 1.25 करोड़ महिलाओं को एकजुट कर एक मजबूत वोट बैंक बना दिया, जिसने पूरे चुनाव का गणित ही बदल दिया। हरियाणा में पंचायतों में महिला नेतृत्व, खेलों में बेटियों की बढ़ती मौजूदगी और शिक्षा में प्रगति ने महिलाओं को एक स्वतंत्र और प्रभावशाली राजनीतिक वर्ग बना दिया है। वहीं बिहार में शराबबंदी, महिला सहायता समूह और कल्याणकारी योजनाओं ने महिलाओं को जातीय राजनीति से ऊपर उठकर वोट देने की ताकत दी है। इन चारों राज्यों के अनुभव एक ही निष्कर्ष पर पहुँचाते हैं कि जिस राजनीतिक दल के साथ महिलाएँ खड़ी हों, उसके पास आधी जीत पहले से तय रहती है।

यही कारण सपा को छक्क बदलने पर मजबूर कर गए- समाजवादी पार्टी के भीतर की आंतरिक रिपोर्टों ने साफ संकेत दिए कि उत्तर प्रदेश में महिला मतदाता अब चुनावी राजनीति का सबसे प्रभावशाली वर्ग बन चुकी हैं। रिपोर्टों के अनुसार, राज्य की बड़ी संख्या में महिलाएँ भाजपा की विभिन्न योजनाओं—उज्ज्वला, आवास, पोषण, जनधन और सुरक्षा आधारित कार्यक्रमों—से सीधे लाभान्वित हुई हैं, जिसके कारण उनका झुकाव सरकार की ओर बढ़ा है। इसके साथ ही यह भी सामने आया कि महिला मतदाता सबसे स्थिर और एकमुश्त वोट देने वाला वर्ग हैं, जो किसी भी चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। विश्लेषण में यह भी स्पष्ट हुआ कि यदि सपा को भाजपा को कड़ी चुनौती देनी है तो महिला मतदाताओं में अपनी पकड़ मजबूत करना अनिवार्य है। यही वजह है कि पार्टी ने PDA के 'A' को अल्पसंख्यक से हटाकर 'आधी आबादी' यानी महिलाओं पर केंद्रित करने का फैसला किया। यह परिवर्तन सिर्फ रणनीति नहीं, बल्कि एक नया सामाजिक गठबंधन तैयार करने की दिशा में उठाया गया बड़ा राजनीतिक कदम माना जा रहा है।

स्त्री सम्मान/समृद्धि योजना—सपा का महिला केंद्रित ऐलान- अखिलेश यादव ने महिलाओं को सीधे संबोधित करते हुए घोषणा की कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर एक व्यापक और समन्वित नीति 'स्त्री सम्मान/समृद्धि योजना' के रूप में लागू की जाएगी। इस योजना में महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता प्रदान करने से लेकर कौशल विकास प्रशिक्षण, महिला उद्यमिता और स्टार्टअप पैकेज जैसी सुविधाएँ शामिल होंगी। इसके साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े विशेष प्रावधान तथा महिला सुरक्षा के लिए एक अलग और सख्त प्रोटोकॉल तैयार किया जाएगा। सपा का उद्देश्य यह संदेश देना है कि महिला सशक्तिकरण उसके लिए केवल चुनावी वादा नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकता होगा। यह योजना महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक रूप से मजबूत करने की दिशा में पार्टी की सबसे बड़ी पहल मानी जा रही है।

छक्क का नया अर्थ—सपा की रणनीति का टर्निंग पॉइंट- PDA के 'A' को बदलना समाजवादी पार्टी की चुनावी रणनीति का बड़ा और निर्णायक कदम माना जा रहा है। यह बदलाव न सिर्फ भाजपा की महिला केंद्रित योजनाओं का सीधा जवाब है, बल्कि सपा के लिए महिला मतदाताओं में अपनी पकड़ मजबूत करने का नया अवसर भी बनकर उभरा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब महिलाएँ सिर्फ वोटर नहीं रहीं, बल्कि चुनाव के नतीजे तय करने वाली किंगमेकर की भूमिका में आ चुकी हैं। ऐसे में PDA का नया स्वरूप सपा की चुनावी दिशा और प्राथमिकताओं में बड़े बदलाव का संकेत देता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नौजवानों का किया आवाहन, कहा- खेलोगे तो खिलोगे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज सप्तम अखिल भारतीय प्राइजमनी पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता-2025
- यूपी विजेता, पूर्वोत्तर रेलवे बनी उपविजेता, मुख्यमंत्री ने विजेताओं को किया पुरस्कृत

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर में कहा कि पीएम मोदी ने देश के हर नौजवान से अपेक्षा की है कि वह किसी न किसी खेल के साथ अवश्य जुड़े, क्योंकि खेलोगे तो खिलोगे। सीएम ने कबड्डी का जिक्र करते हुए कहा कि इस खेल में स्फूर्ति और व्यक्ति के मन में टीम भावना के साथ कार्य करने का जज्बा भी है। हर खेल व खेल संस्कृति टीम वर्क के रूप में कार्य करने की प्रेरणा देती है। भारत के अंदर प्राचीन काल से ही खेल व खेलकूद की प्रतियोगिताओं के प्रति व्यापक जागरूकता रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रीजनल स्टेडियम में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज सप्तम अखिल भारतीय प्राइजमनी पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता-2025 के विजेताओं को पुरस्कृत करने के बाद युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश की टीम ने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज सप्तम अखिल भारतीय प्राइजमनी पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता-2025 का खिताब अपने नाम किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजेता उत्तर प्रदेश की टीम को दो लाख रुपये का चेक, ट्रॉफी व खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किया। उपविजेता पूर्वोत्तर रेलवे को ट्रॉफी व एक लाख का चेक प्रदान किया। साथ ही खिलाड़ियों को भी मेडल प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने तीसरे स्थान पर रहने वाली हरियाणा व आंध्र प्रदेश की टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। साथ ही ट्रॉफी व 50-50 हजार रुपये का चेक दिया। मुख्यमंत्री ने विजेता, उपविजेता व हरियाणा-आंध्र प्रदेश की टीम के खिलाड़ियों के साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाई।सीएम योगी ने कहा कि यूपी के अंदर पहले से तीन खेल कॉलेज हैं। हमारी सरकार ने तय किया है कि हर कमिश्नरी मुख्यालय पर खेल कॉलेज होना चाहिए।

इको-फ्रेंडली सुविधाओं से बदल रही यूपी के जंगलों की तस्वीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वन्य जीव संरक्षण और इको टूरिज्म की तस्वीर तेजी से बदल रही है। दुर्लभ वन्य जीव प्रजातियों के सुरक्षित आवास, प्राकृतिक परिदृश्य का संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन सुविधाओं के विस्तार ने राज्य को प्रकृति प्रेमियों का नया पसंदीदा गंतव्य बना दिया है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वन, सिंचाई सहित अन्य विभागों से समन्वय कर पर्यटकों के लिए आकर्षक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। हमारा प्रयास वन्य जीव संरक्षण को सुदृढ़ करते हुए स्थानीय समुदाय को आजीविका के नए अवसरों से जोड़ना है। मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में गैंडा, बाघ, बारहसिंघा, घड़ियाल जैसे दुर्लभ वन्यजीव न सिर्फ सुरक्षित हैं, बल्कि उनके लिए वातावरण भी विकसित किया गया है। दुधवा, पीलीभीत, कतर्नियाघाट, अमानगढ़ और सोहगीबरवा जैसे वन क्षेत्र पर्यटकों को विशेष अनुभव प्रदान करते हैं। तराई, ब्रजभूमि, गंगा नदी का क्षेत्र, बुंदेलखंड और विंध्य वनक्षेत्र हर इलाके में जैव विविधता के संरक्षण और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा निरंतर कार्य किया गया है। इको-टूरिज्म विकास बोर्ड ने पिछले तीन वर्षों में 161 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च कर विभिन्न प्राकृतिक स्थलों पर पर्यटन सुविधाएं विकसित की हैं। इनमें मार्ग सुधार, कैफ़ेटेरिया, इको-फ्रेंडली विश्राम स्थलों, गजिबो, नेचर

ट्रेल, बर्ड वॉचिंग स्थान और बच्चों के लिए खेलने के क्षेत्र जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इन सभी का विकास पर्यावरण-संवेदनशील तरीके से किया गया है, ताकि प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हुए पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। पिछले तीन वर्षों में स्वीकृत परियोजनाओं में वर्ष 2022-23 में 21.04 करोड़ रुपए, वर्ष 2023-24 में 68.56 करोड़ रुपए तथा वर्ष 2024-25 में 72.30 करोड़ रुपए व्यय हेतु स्वीकृत किए गए। यह निरंतर बढ़ता निवेश राज्य की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है।

वहीं, वन विभाग के सतत प्रयासों से वन्य जीवों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली है, जिसने पर्यटकों को खासा आकर्षित किया है। वर्ष 2022 की वन्य पशु गणना रिपोर्ट वन्यजीव संरक्षण की सफल कोशिशों की पुष्टि करती है। आंकड़ों के अनुसार, दुधवा नेशनल पार्क में 65 हजार से अधिक, कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य में तकरीबन 12 हजार और बफर जोन में 14 हजार से अधिक वन्य प्राणी दर्ज किए गए। इसी तरह, साल 2025 में उत्तर प्रदेश के संरक्षित क्षेत्रों में वन्य जीवों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। नवीनतम सर्वेक्षण के अनुसार दुधवा टाइगर रिजर्व में वन्य जीव संख्या बढ़कर 1.13 लाख से अधिक, कतर्निया वन्य जीव प्रभाग में 17 हजार से अधिक और बफर जोन में करीब 15 से अधिक तक पहुंच गई। यह जैव-विविधता संरक्षण प्रयासों की दृष्टि से महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। वर्ष 2022 में दुधवा, कतर्निया और बफर जोन में गुलदार/तेंदुआ की संख्या 92 थी, जो 2025 में अभूतपूर्व रूप से बढ़कर 275 हो गई। वहीं, गैंडों की संख्या जहां पूर्व में 49 थी, वह 2025 में बढ़कर 66 हो गई है। वन्य जीवों की बढ़ती संख्या प्रदेश में संरक्षण प्रयासों के सकारात्मक परिणामों को दर्शाती है।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद का सनातन धर्म पर टिप्पणियों के खिलाफ प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में गुरुवार को विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में फावड़ा लेकर नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने बेरिकेडिंग कर उन्हें रोक लिया गया। प्रदर्शन के दौरान मौलाना मदनी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी और तृणमूल कंग्रेस विधायक हुमायूं कबीर के खिलाफ तीखा विरोध व्यक्त किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि हिंदू धर्म और देवी-देवताओं के खिलाफ की जा रही टिप्पणियाँ असहनीय हैं और हिंदू समाज की भावनाओं से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि ऐसे बयानों देने वाले नेताओं पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हो और सख्त कार्रवाई की जाए। राय ने यह भी कहा कि जिहादी विचारधारा वाले लोगों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यदि कार्रवाई नहीं हुई तो परिषद देशभर में बड़ा आंदोलन करेगी। संगठन के नेता गोपाल राय ने लव जिहाद, लैंड जिहाद और शिक्षा जिहाद को समाज को बाँटने वाली गंभीर चुनौतियाँ बताया और कहा कि सरकार को इन पर जल्द निर्णायक कदम उठाने चाहिए। उन्होंने बताया कि हिंदू समाज को जागरूक करने और धार्मिक स्थलों की मर्यादा की रक्षा के लिए 5 दिसंबर को लखनऊ से मथुरा तक एक विशेष यात्रा निकाली जाएगी।

अवैध शराब तस्करी का भंडाफोड़, 13,812 बोतल विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अंतरराज्यीय शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 13,812 बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद की। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई एक दिन पूर्व तीन दिसंबर की देर रात लखनऊ में टोल प्लाजा सीतापुर रोड पर की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुरील कुमार के रुप में हुई है। उसके पास से भारी मात्रा में शराब के साथ एक आयशर ट्रक , 5700 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन, डीजल और बोरी भी बरामद की गई। बरामद शराब में रॉयल स्टैग बैरल सेलेक्ट की 2052 बोतलें, ओल्ड हैबिट व्हिस्की की 7488 पेट बोतलें, ऑल सीजन्स गोल्डन कलेक्शन रिज़र्व व्हिस्की की 3840 पेट बोतलें तथा ब्लैक बकार्डी रम की 432 बोतलें शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ को जानकारी मिली थी कि बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद चोरी-छिपे अवैध शराब की सप्लाई की जा रही है। इसी सूचना पर एसटीएफ की विभिन्न ईकाइयों/टीमों को विशेष सतर्कता रखते हुए अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। इसके बाद एसटीएफ उत्तर प्रदेश की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर एक दिन पूर्व आरोपी को दबोच लिया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका गिरोह बिहार में शराब बंदी होने का फायदा उठाकर उत्तर प्रदेश से अवैध विदेशी शराब की तस्करी करता है। पंजाब एवं अन्य राज्यों से शराब मंगाकर बिचौलियों के माध्यम से बिहार के अलग-अलग जिलों में सप्लाई करते हैं। गिरफ्तार तस्कर ने स्वीकार किया कि बरामद शराब को चंपारण निवासी एक व्यक्ति ने लोड कराया था और बिहार में पहुंचने पर उसे मोटा भुगतान किया जाना था।

एसटीएफ ने आरोपी के खिलाफ थाना इटौंजा, लखनऊ में मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। टीम ने तस्करी में शामिल अन्य लोगों की तलाश तेज कर दी है।

लखनऊ में 9000 गाड़ियों की आरसी सस्पेंड

लखनऊ। लखनऊ में ट्रैफिक नियमों को लेकर बड़ी कार्रवाई हुई है। ट्रैफिक पुलिस ने सिर्फ चालान काटने पर ही नहीं, बल्कि चालान न भरने वालों पर सीधा शिकंजा कस दिया है। परिवहन विभाग ने एक ही आदेश में लगभग 9000 वाहनों का रजिस्ट्रेशन सस्पेंड कर दिया है।इन वाहनों में वे दो स्कूटी भी हैं, जिन पर 200 से ज्यादा चालान हैं।आरसी सस्पेंशन के बाद न इंश्योरेंस हो सकता है न सर्विस बुक अपडेट होगी और न वाहन की बिक सकेगा। यह गाड़ियां सड़क पर दिखीं तो सीज कर दी जायेगी।ट्रैफिक विभाग की जांच में कई चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं।2 स्कूटी ऐसी निकलीं, जिन पर 200 से अधिक चालान पेंडिंग थे।435 वाहन ऐसे हैं जिन पर 50 से ज्यादा चालान दर्ज हैं। पुलिस ने 13,800 ऐसे वाहनों की लिस्ट बनाई है जिन पर 10 या उससे ज्यादा चालान बकाया थे। पहले चरण में 9000 वाहनों की आरसी निलंबित की है, अन्य जिलों की लिस्ट उनके आरटीओ को भेज दी गई है। अभियान का पूरे यूपी में असर दिखने वाला है।

समाज कल्याण विभाग की पहल: यूपीपीसीएस-2025 मुख्य परीक्षा की नि:शुल्क कोचिंग के लिए 12 दिसंबर तक आवेदन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रतिभाशाली युवाओं को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग ने यूपीपीसीएस-2025 मुख्य परीक्षा के लिए विशेष निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम शुरू किया है। विभाग के मुताबिक, प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी 12 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम गोमती नगर स्थित छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भागीदारी भवन में आयोजित किया जाएगा। भागीदारी भवन के संयुक्त निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि यह सुविधा केवल पुरुष अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनकी पारिवारिक आय 6 लाख रुपये से कम है और जिन्होंने यूपीपीसीएस प्रारंभिक परीक्षा-

2025 उत्तीर्ण की है, उन्हें लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।

आवेदन प्रक्रिया और दस्तावेज़ः आवेदन के साथ प्रारम्भिक परीक्षा प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र तथा शैक्षिक प्रमाणपत्रों की प्रतियां जमा करना अनिवार्य होगा। प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को 2000 रुपये की कॉशन मनी भी जमा करनी होगी।

कोचिंग में उपलब्ध सुविधाएंः संस्थान अभ्यर्थियों को निःशुल्क हॉस्टल, भोजन और लाइब्रेरी की सुविधा प्रदान करेगा। इसके साथ ही विषय विशेषज्ञों की नियमित कक्षाएं, मुख्य परीक्षा केंद्रित उत्तर लेखन अभ्यास, मॉडल टेस्ट, परीक्षा पैटर्न आधारित विशेष सत्र और आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।विभाग का कहना है कि यह पहल कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि वाले प्रतिभावान अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा की बेहतर तैयारी का अवसर प्रदान करेगी।

लखनऊ में नागरिकता जाँच से मचा हड़कंप

लखनऊ। लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल के नेतृत्व में अवैध रूप से रह रहे संदिग्ध बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू होते ही लखनऊ नगर निगम से जुड़ी कूड़ा प्रबंधन कंपनी के 160 सफाई कर्मचारी नौकरी छोड़ भागे। इन कर्मचारियों से नागरिकता प्रमाणित करने वाले दस्तावेज मांगे गए थे, जिसके बाद ये सभी काम से गायब हो गए। महापौर ने आशंका व्यक्त की कि ये भागे लोग संदिग्ध रोहिंग्या या बांग्लादेशी हो सकते हैं।उन्होंने अधिकारियों को तत्काल जांच और आधार के साथ एनआरसी राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर चेक करने के निर्देश दिए हैं, क्योंकि ये कर्मचारी खुद को असम का बताते थे। ये संदिग्ध दिन में सफाई कर्मचारी के रूप में काम करते थे और रात में वारदातों को अंजाम दे सकते थे, जैसा कि पिछले साल एक मामले में छह रोहिंग्या पकड़े गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा घुसपैठियों के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान चलाने और हर मंडल में डिटेंशन सेंटर बनाने के आदेश के बाद, मेयर सुषमा खर्कवाल गुरुवार को तुरंत एक्शन मोड में आ गईं।

यूपी में 100 विधायकों का बीजेपी काट सकती है टिकट, 2027 को लेकर इंटरनल सर्वे का रिपोर्ट कार्ड आया सामने

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी एक्टिव मोड़ में है। इसे लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने अपने मौजूदा विधायकों के कामकाज को लेकर इंटरनल सर्वे कराया है जिससे विधायकों के भविष्य को लेकर पार्टी तय करेगी किसे टिकट देना है किसे नहीं देना है। अब बीजेपी के इंटरनल सर्वे का रिपोर्ट कार्ड आया सामने है। पार्टी सूत्रों की मानें तो पूर्वांचल पश्चिम क्षेत्र का सर्वे पहले हुआ जिसमें से काशी,बृज,अवध और अन्य क्षेत्रों का सर्वे शामिल है। पार्टी ने पेशेवर एजेंसियों को ये जिम्मेदारी सौंपी थी। गुप्त सर्वे के जरिए विधायकों की छवि, विकास कार्य, जातीय समीकरण और विपक्ष की ताकत का आकलन किया गया है। भाजपा ने इस सर्वे के पहले चरण को तीन श्रेणी में इसको किया हैपार्टी सूत्रों के अनुसार 'ए' श्रेणी के नेताओं का टिकट लगभग पक्का है,जबकि 'सी' श्रेणी वालों की कुर्सी खतरे में है। विधायकों के ऑडिट के कई पैमाने बनाये गए थे। विधायकों का पिछले कार्यकालों में प्रदर्शन और अपने क्षेत्र में विकास निधि का उपयोग,जनता की समस्याओं के समाधान में सक्रियता और पिछले चुनाव में जीत का अंतर और उसकी वजह, जनता की नजर में व्यक्तिगत और राजनीतिक छवि और 2027 में जीत की संभावना इस सर्वे में विपक्षी दलों की ताकत और कमजोरियों का भी विश्लेषण भी किया गया है। सर्वे में यह दर्ज किया गया कि किस जातीय समूह में किस पार्टी की पकड़ है, कौन-से मुद्दे जनता को प्रभावित कर रहे हैं, और विपक्ष के कौन-से नेता भाजपा के लिए चुनौती बन सकते हैं। टिकट वितरण में भावनाओं या पुराने रिश्तों को दरकिनार कर प्रदर्शन को प्राथमिकता दी जाएगी। इस सर्वे रिपोर्ट मिलने के बाद भाजपा आलाकमान अब अगले चरण की तरफ बढ़ेगा।

अब अगले चरण में बीजेपी प्रत्याशी चयन के लिए संगठनात्मक जिलों से पैनल तैयार कराएगी। जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, सांसद मिलकर प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में तीन-तीन संभावित उम्मीदवार का पैनल तैयार करेंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष भी प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए उम्मीदवारों का पैनल तैयार करेंगे। वह पैनल प्रदेश कोर कमेटी के सामने रखा जाएगा। कोर कमेटी प्रत्येक जिलाध्यक्ष और जिला प्रभारी के साथ पैनल में नामित नामों से नाम तय करेगी। कोर कमेटी बीजेपी को हिस्से वाली सीटों पर प्रत्याशियों का पैनल तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष पेश करेगी। केंद्रीय नेतृत्व, प्रदेश से मिली सूची, और राष्ट्रीय अध्यक्ष के सर्वे में आए नामों के आधार पर एक कॉमन पैनल तैयार करेंगे। उस पैनल पर लंबी चर्चा, सामाजिक, राजनीतिक और जातीय संतुलन देखते हुए प्रत्याशी तय किए जाएंगे। यूपी में सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ही भाजपा विधायकों के विधानसभा टिकट को लेकर पैनल का फार्मूला भी अपनाया जाएगा।

गैलेंट्री अवार्ड प्राप्त सैनिकों को रियायत देने की तैयारी में लखनऊ विकास प्राधिकरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप लखनऊ विकास प्राधिकरण (लविप्र) सशस्त्र बलों के उन सैनिकों के लिए एक विशेष आवास लाभ का प्रस्ताव रखने जा रहा है, जिन्होंने सेवा के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाई है। सूत्रों के मुताबिक़ प्रस्ताव के अनुसार, गैलेंट्री अवॉर्ड प्राप्त सैनिकों को आवास खरीद पर अतिरिक्त पांच प्रतिशत छूट दी जाएगी। प्राधिकरण से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि यह उत्तर प्रदेश में अपनी तरह की पहली पहल होगी। राज्य में किसी भी विकास प्राधिकरण द्वारा अभी तक गैलेंट्री पुरस्कार पाने वाले सैनिकों के लिए कोई विशेष रियायत नहीं दी जाती है। इसे बहादुर सैनिकों के योगदान को ठोस रूप से सम्मान देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम केवल प्रतीकात्मक सम्मान नहीं, बल्कि ऐसा लाभ देना चाहते थे जो परिवारों की सीधे मदद करे। यह रियायत उन सैनिकों की वास्तविक मान्यता है, जिन्होंने जोखिम भरे अभियानों में देश के लिए सेवा दी है। प्राधिकरण से जुड़े सूत्रों के अनुसार यदि बोर्ड इस प्रस्ताव को मंजूरी देता है, तो यह सुविधा केवल प्रमुख गैलेंट्री अवॉर्ड्स शौर्य चक्र और कीर्ति चक्र के प्राप्तकर्ताओं पर लागू होगी। यह रियायत एलडीए फ्लैट की खरीद के समय दी जाएगी और पात्र खरीदारों को मिलने वाली अन्य छूटों के अतिरिक्त होगी। एलडीए सूत्रों ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगले एक वर्ष तक खाली फ्लैट्स की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। निर्माण लागत बढ़ने और बाज़ार में सुस्ती के बीच यह फैसला खरीदारों को राहत देने के उद्देश्य से लिया गया है।

अबैकस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया अपना पहला फंड अबैकस फ्लेक्सी कैप फंड

लखनऊ। अबैकस म्यूचुअल फंड ने अपना पहला इक्विटी एनएफओ 'अबैकस फ्लेक्सी कैप फंड' लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों में निवेश करेगी। एनएफओ 8 दिसंबर से शुरू होकर 22 दिसंबर को बंद होगा। अबैकस फ्लेक्सी कैप फंड का उद्देश्य निवेशकों को लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि प्रदान करना है। इस योजना में 65 प्रतिशत से अधिक निवेश इक्विटी और इक्विटी-संबंधित साधनों में, 35 प्रतिशत तक डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में, तथा 10 प्रतिशत तक रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स में किया जाएगा। इस योजना का बेंचमार्क बीएसई 500 इंडेक?स (टी.आर.आई) इंडेक्स होगा। श्री वैभव चुग, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अबैकस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, 2025 के अधिकांश समय बाजार स्थिर रहे, लेकिन अब भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत जीडीपी वृद्धि, कम महंगाई, बड़े विदेशी मुद्रा भंडार और अनुकूल नीतिगत रुख के चलते सकारात्मक संकेत दिखा रही है। मजबूत मानसून, बेहतर कॉर्पोरेट कमाई, और घरेलू व संभावित विदेशी निवेश प्रवाह फ्लेक्सी कैप निवेश के पक्ष में हैं। ऐसे में यह रणनीति सही समय पर निवेश का अवसर प्रदान करती है। फंड का प्रबंधन अबैकस एएमसी के हेड ऑफ इन्वेस्टमेंट्स एंड रिसर्च, श्री संजय दोशी द्वारा किया जाएगा। यह फंड रेगुलर और डायरेक्ट दोनों विकल्पों में उपलब्ध होगा।

संघ—शताब्दी वर्ष: गृह संपर्क अभियान में जुटे स्वयंसेवक

- संघ कार्य व पंच परिवर्तन का पत्रक घर—घर बांट रहे कार्यकर्ता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता इस समय गृह सम्पर्क अ?भियान में लगे हैं। संघ के स्वयंसेवक घर—घर जाकर भारत माता का चित्र व पत्रक निःशुल्क बांट रहे हैं। इसके अलावा संघ की जानकारी से जुड़ी पुस्तकें बहुत कम मूल्य पर लोगों को दी जा रही है। संघ—शताब्दी वर्ष : संघ यात्राःसंगठन व सेवा के 100 वर्ष पुस्तक मात्र 10 रूपये में दी जा रही है। प्रान्त प्रचार प्रमुख डा. अशोक दुबे ने बताया कि अवध प्रान्त में 40 लाख घरों से सम्पर्क का लक्ष्य लिया गया है। इस महासम्पर्क अभियान में करीब 80 हजार कार्यकर्ता लगे हैं। गृह सम्पर्क अभियान 21 दिसम्बर तक चलेगा। विशेष सम्पर्क के लिए भी प्रबुद्धजन की टोलियां भी बनाई गयी हैं। हिन्दू समाज के प्रतिष्ठित जनों व सोसाइटी व बहु—मंजिला इमारतों में सम्पर्क के लिए अलग से टोली बनाई गयी है। वहीं मठ—मंदिर व गुरूद्वारों में सम्पर्क के लिए भी टोली का निर्माण किया गया है। लखनऊ विभाग में 49 नगर 413 बस्ती 1652 उप बस्ती हैं। बस्ती व उप बस्ती में सम्पर्क के लिए तीन — तीन सक्षम कार्यकर्ताओं की टोली बनाई गयी है। इन सभी बस्तियों व उपबस्तियों में सम्पर्क के लिए 4956 टोली बनाई गयी है। इस सम्पर्क टोली में 14868 कार्यकर्ता हैं। यह सभी कार्यकर्ता लखनऊ में घर—घर जाकर सम्पर्क कर रहे हैं।

मायावती ने अचानक क्यों रद्द कर दी 6 दिसंबर को नोएडा में होने वाली बड़ी रैली

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख मायावती ने 6 दिसंबर को नोएडा में होने वाली अपनी बड़ी रैली अचानक रद्द कर दी। यह रैली डॉ. भीमराव आंबेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में आयोजित होने वाली थी, जिसमें पश्चिमी यूपी, दिल्ली और उत्तराखंड से लाखों कार्यकर्ताओं के आने की उम्मीद थी। मायावती ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी और कहा कि रैली रद्द करने की वजह जनता की सुविधा है। उन्होंने लिखा कि उनके आने पर वीआईपी सुरक्षा और भारी सरकारी इंतजाम किए जाते हैं, जिससे आम लोगों, महिलाओं और बच्चों को बहुत परेशानी होती है, लंबा इंतजार, भीड़ और धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ता है। मायावती ने कहा कि वह अपने कारण किसी भी कार्यकर्ता को परेशानी में नहीं देख सकतीं, इसलिए इस बार वह कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगी। मायावती ने कहा कि वह अपने कारण किसी भी कार्यकर्ता को परेशानी में नहीं देख सकतीं, इसलिए इस बार वह कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय की बड़ी खोज: पान के पत्ते में मिला अल्ज़ाइमर के उपचार का सुराग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। धार्मिक/सांस्कृतिक व स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण पान के पत्ते ने अब अल्ज़ाइमर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज की नई उम्मीद जगाई है। लखनऊ विश्वविद्यालय की बायोजेरोन्टोलॉजी और न्यूरोबायोलॉजी प्रयोगशाला में वैज्ञानिकों की एक टीम ने पान के पत्ते में पाए जाने वाले एक विशेष प्राकृतिक तत्व हाइड्रॉक्सीचाविकोल को दवा के रूप में इस्तेमाल किए जाने की संभावनाओं का पता लगाया है।

अल्ज़ाइमर रोग को दुनियाभर में डिमेंशिया का सबसे बड़ा कारण माना जाता है। इस बीमारी में धीरे-धीरे याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता कम होती जाती है। अभी तक इस रोग का पूरा इलाज मौजूद नहीं है, और जो दवाएँ मिलती हैं वे सीमित राहत ही दे पाती हैं। इसी कारण वैज्ञानिक लगातार नई दवाओं की तलाश में जुटे हैं। गुरुवार को शोध का नेतृत्व कर रहे डॉ. नितीश राय ने बताया कि शोध के दौरान कम्प्यूटर आधारित तकनीकों से यह देखा गया कि हाइड्रॉक्सीचाविकोल शरीर के उन प्रोटीनों पर कैसे असर डालता है जो अल्ज़ाइमर से जुड़े होते हैं। उन्होंने बताया कि शोध के दौरान ऐसे 88 जीनों की पहचान की गई, जो इस तत्व और बीमारी दोनों से जुड़े पाए गए। इनमें से COMT, HSP90AA1 और GAPDH नाम के तीन प्रोटीन सबसे अहम साबित हुए। ये प्रोटीन दिमाग में संदेश पहुंचाने और मस्तिष्क कोशिकाओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शोध से यह भी पता चला कि यह तत्व इन प्रोटीनों से अच्छी तरह जुड़ता है और बीमारी से जुड़े कई कारणों पर एक साथ असर डाल सकता है। इसमें दवा जैसे गुण पाए गए हैं और यह शरीर में आसानी से अवशोषित हो सकता है। इसलिए भविष्य में इसे मौखिक दवा यानी गोली के रूप में विकसित किया जा सकता है।

डॉ. नितीश राय के मुताबिक यह खोज अभी शुरुआती चरण में है और इसे आगे प्रयोगशाला व मरीजों पर परीक्षणों के बाद ही उपयोग में लाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि पान के पत्ते में पाया जाने वाला यह तत्व सस्ता, सुरक्षित और आसानी से उपलब्ध हो सकता है, इसलिए इसे एक बेहतर विकल्प के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। फिलहाल, यह शोध भारतीय परंपरागत औषधियों की ताकत को दुनिया के सामने लाने वाला है। यदि भविष्य में परीक्षण सफल रहे, तो यह खोज लाखों लोगों को अल्ज़ाइमर से राहत देने में बड़ी भूमिका निभा सकती है। गौरतलब है कि अल्जाइमर में मस्तिष्क की कोशिकाओं का आपस में संपर्क खत्म हो जाता है और वे मरने लगती हैं। प्रायः यह 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में पाया जाता है। अल्जाइमर में मस्तिष्क में कुछ रसायनों की मात्र भी कम होने लगती है। ये रसायन मस्तिष्क में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए जरूरी होते हैं। अल्जाइमर एक लगातार बढ़ने वाला रोग है। जैसे-जैसे यह रोग बढ़ता जाता है, मस्तिष्क का अधिक से अधिक भाग क्षतिग्रस्त होता जाता है और लक्षण ज्यादा गंभीर हो जाते हैं।

अल्जाइमर की शुरुआत में याददाश्त कमजोर हो जाना और बात करने में सही शब्द ढूंढने में कठिनाई होना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। जैसे-जैसे यह बीमारी बढ़ती है, रोगी भ्रमित हो जाता है और बार-बार लोगों के नाम, स्थान और हाल-फिलहाल में हुई घटनाओं को भूलने लगता है। बार-बार मूड बदलने लगता है, अपनी याददाश्त के कमजोर पड़ने से दुखी, क्रोधित और हताश महसूस करने लगता है। आत्मविश्वास कम होने से लोगों से कटा-कटा रहने लगता है। चीजें यहां-वहां रखकर भूल जाता है।

13 दिसम्बर 2025 की राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हुई बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देशन में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई रीता कौशिक की अनुमति से 13 दिसम्बर 2025 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण कराए जाने हेतु जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई भूपेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में बैठक की गई। अपर जिला जज द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों व विद्युत विभाग के अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिए गए तथा यातायात निरीक्षक को ट्रैफिक चालान से संबंधित वादों के निस्तारण हेतु दिशा निर्देश दिए जिससे आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। उक्त बैठक में प्रशासन की की ओर से नायब तहसीलदार रामकृष्ण श्रीवास्तव, सीओ अनुज मिश्रा, विद्युत विभाग से पी०पी० सिंह, पुनीत कुमार दुबे, उस्मान अली, कुलदीप कुमार, सुरेश कुमार विश्वकर्मा, यातायात निरीक्षक प्रमोद यादव, जेसन सेन सदस्य स्थाई लोक अदालत व विद्युत विभाग के अधिवक्ता कमलेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

जन सुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनी 59 शिकायतें

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान

जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई मे आज कुल 59 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। जन सुनवाई में 01 को वृद्वावस्था पेंशन, 01 निराश्रित महिला तथा 01 लाभार्थी को राशन कार्ड लाभ योजना से जोड़ा गया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो। राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्या 5 दिसंबर को उन्नाव में करेगीं महिला जनसुनवाईः निगम

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार निगम ने बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्या अर्चना मजूमदार द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओ को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से 05 दिसम्बर को जनपद-उन्नाव के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस (निरीक्षण भवन) में प्रातः 10 बजे से महिलाओं की समस्याएं की जनसुनवाई करेंगी। उन्होंने कहा है कि जनपद की कोई भी महिला जो किसी हिंसा से पीड़ित है वह अपना प्रार्थना पत्र जनपद-उन्नाव जाकर जनसुनवाई में उपस्थित होकर दे सकती है।

किसान पराली गौशालाओं में देकर गोबर की खाद प्राप्त करेंः जिलाधिकारी

■ अनुदान पर पराली फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु कृषि यंत्र उपलब्ध करायें: अनुनय झा

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्टेउ्ट में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में फसल अवशेष प्रबन्धन योजना की बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये गांवों में किसानों को पराली न जलाने हेतु जागरूक करें और उन्हें बताये कि वह खेत की पराली गौशालाओं में देकर गोबर की खाद प्राप्त करें और उसे खेतों में डाले जिससे खेत की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी तथा किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होने कहा कि शासन की मंशानुसार एफ्पीओ एवं एफ्पीओ के सदस्य कृषकों को एग्रीग्रेटर के रूप में अनुदान पर पराली फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु कृषि यंत्र उपलब्ध कराये तथा कस्टम हॉयरिंग सेंटर की स्थापना हेतु कृषक उत्पादक संगठन का पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण करायें। बैठक में डीडी कृषि, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम आदि उपस्थित रहें।

50 फीसदी हुआ काम, लाइन लॉस जस की तस

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। क्षेत्र की विद्युत समस्याओं को लेकर जय हिंद जय भारत मंच ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया। उपखंड अधिकारी ने आश्वासन दिया शीघ्र समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। संगठन के पदाधिकारी ग्राम प्रधान मोहम्मद असद ने अपने ग्रामसभा त्यौरी मतुआ की समस्याओं से अवगत कराया। उनकी ग्रामसभा को जाने वाली विद्युत लाइन काफी पुरानी होने के कारण जर्जर हो गई है। तार ढीले हो गए हैं, जिसके कारण आए दिन तार टूटने की घटना से हादसे हो रहे हैं। कई दिनों तक आपूर्ति बाधित हो जाती है। कई बार किसानों की फसल में आग लगने से जलकर हानि हो चुकी है। इस विद्युत लाइन से ग्राम त्यौरी, भीरीघाट, पतसेनी देहात, मतुआ, बनियन खेड़ा, मरेउरा, गनेशपुर आदि ग्रामों को जाती है। जर्जर लाइन होने के कारण ज्वलंत समस्या बनी है। ग्राम त्यौरी गांव की आबादी व कनेक्शन के अनुपात में ट्रांसफार्मर की छमता मात्र 25 केवी का है। ट्रांसफार्मर से 200 मीटर विद्युत लाइन काफी जगह है। गांव की विद्युत लाइन जर्जर होने के कारण तार टूटने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है। माह में दो बार ट्रांसफार्मर खराब हो जाते हैं। कई दिनों तक विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है। उपखंड अधिकारी ने बताया ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने के लिए ग्रामवार रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को प्रेषित कर दिया गया है। जर्जर लाइन के लिए एस्टीमेट बनाकर शासन को भेज दिया गया है। बजट की स्वीकृति मिलते ही कार्य कराया जाएगा। सरकारी सिस्टम का खामियाजा उपभोक्ता झेल रहे हैं। कोई अनहोनी घटना पर प्रशासन की कुम्भकर्णीय नींद खुलती है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान मोहम्मद असद, जय हिंद जय भारत मंच के संयोजक परमेश्वर दयाल, मीडिया प्रभारी नवनीत कुमार, अंकित कुमार वर्मा, देवेंद्र कुमार, रमेश कुमार आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

समाजसेविका शालिनी सिंह के प्रयास से गांव में जली विकास की नई रोशनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विकास खंड सांडी के ग्राम बरनई चतरखा में वर्षों से चली आ रही रोशनी की समस्या का समाधान आखिरकार हो गया है।

समाजसेविका शालिनी सिंह के लगातार प्रयास और जनसंपर्क के परिणामस्वरूप सांसद जयप्रकाश के कोटे से गांव में एक हाई मास्ट लाइट लगवाई गईए जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव केहिस्से में लंबे समय से रात के समय अंधेरा पसरा रहता था, जिससे राहगीरों को परेशानी होती थी और सुरक्षा को लेकर भी चिंता रहती थी। गांव के चौराहे और मुख्य मार्ग पर रोशनी की कमी होने के कारण कई बार हादसे भी होते रहे थे। ग्रामीण इस सुविधा को काफी समय से चाहते थे, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था।

समाजसेविका शालिनी सिंह ने ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए इसे जनप्रतिनिधियों तक पहुँचाया और लगातार फॉलो.अप करती रहीं। उनके प्रयासों को देखते हुए सांसद जयप्रकाश ने अपने कोटे से हाई मास्ट लाइट स्वीकृत की। हाई मास्ट लाइट लगते ही ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए कहा कि अब गांव का वातावरण सुरक्षित और सुव्यवस्थित महसूस होगा। कई ग्रामीणों ने बताया कि इससे रात में आवागमन आसान होगा और किसी भी आपात स्थिति में मदद पहुंचाना भी सरल हो जाएगा।

ग्रामीणों ने शालिनी सिंह की सामाजिक सेवा भावना और कर्मठता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी वजह से गांव में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। इस अवसर पर समाजसेविका शालिनी सिंह ने कहा, श्गांव के लोगों की समस्याओं को समझना और उन्हें हल करने के लिए हर संभव प्रयास करना मेरा कर्तव्य है। समाज सेवा मेरा लक्ष्य है और मैं गरीब, जरूरतमंद और हर ग्रामीण तक सुविधाएं पहुँचाने के लिए लगातार कार्य करती रहूँगी। हाई मास्ट लाइट लगने से गांव के मुख्य चौराहे, स्कूल मार्ग और सार्वजनिक स्थलों पर अब रात के समय भी पर्याप्त रोशनी रहेगी, जिससे गांव का समग्र विकास और सुरक्षा व्यवस्था दोनों मजबूत होंगी।

कछौना चौराहे पर अंडरपास के नीचे लगा जाम, प्रशासन के लापरवाही के चलते कछौना की यातायात व्यवस्था ध्वस्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। जहां एक ओर सरकार जनता के सुगम आवागमन के लिए विभाग पर करोड़ों का बजट खर्च कर रही है और प्रशासन लोगों के सुगम और सुरक्षित यात्रा का दावा करता है, वहीं प्रशासन की अनदेखी और जिम्मेदार विभागों की उदासीनता के चलते कछौना कस्बे की यातायात व्यवस्था पूरी तरह बिखर गई है! जबकि यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए थाने पर यातायात के एक दरोगा सहित पांच पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है!

लखनऊ पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग 731 पर स्थित कछौना कस्बे के चौराहे पर हाईवे के नीचे बने अंडरपासों में पूरे दिन अवैध पार्किंग, पटरी दुकानदारों, ग्राहकों, बेतरतीब ई-रिक्शों के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है! वहीं चौराहे से स्टेशन तक जाने वाले मार्ग पर भी अतिक्रमण दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है! जिसमें ई-रिक्शों की प्रमुख भूमिका है! ज्यादातर रिक्शा चालक बिना लाइसेंस, कम उम्र, ओवरलोड सवारियां या समान, बिना फिटनेस व मानक के विपरीत हैं! जब कोई बड़ी घटना घटती है तो प्रशासन की नींद खुलती है और अभियान जोर पकड़ता है लेकिन कुछ दिनों बाद ठंडे बस्ते में चला जाता है! स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क किनारे अवैध ठेले, पार्किंग और अनियंत्रित ई.रिक्शों की आवाजाही से यातायात सुचारू नहीं रह पाता! प्रशासन द्वारा समय.समय पर कार्यवाही के दावे किए जाते हैं लेकिन जमीनी स्तर पर कोई स्थाई समाधान दिखाई नहीं देता! व्यस्त समय में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है! स्कूली बच्चों, मरीजों, ग्राहकों व कामकाजी लोगों को जाम के कारण रोजाना देरी झेलनी पड़ती है!

लोगों का कहना है कि अगर प्रशासन प्रभावी योजना बनाकर नियमित अभियान चलाए तो समस्या में काफी हद तक सुधार हो सकता है! जिसमें अवैध पार्किंग पर रोक, ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता, नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्यवाही, मानक के अनुसार ई-रिक्शों का रूट निर्धारण आदि पर ध्यान देकर यातायात व्यवस्था पटरी पर लाई जा सकती है!

सामान लेकर जा रहे बाइक सवार की ट्रक की टक्कर लगने से मौत

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सामन लेकर जा रहा बाइक सवार की ट्रक की टक्कर लगने हुई मौत। थाना क्षेत्र के ग्राम सहिजना निवासी सुधीर कुमार (40) पुत्र लवकुश बुधवार की रात्रि माधौगंज से अपने गांव सहिजना शादी का सामान लेकर आरहा था। तभी नयागांव रोड पर पटेल मील के पास बाइक को ट्रक ने ने टक्कर मारदी जिससे पीछे चल रहा सुधीर गिरकर घायल हो गया सूचना पर पहुँचे परिजन इलाज के लिए सीएचसी ले गए जहाँ डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मृतक अपने पीछे दो पुत्री गोरवंशी (10), रक्षा पटेल (06), पत्नी सुप्रिया को छोड़ गया। मृतक की माँ व भाई की मौत हो चुकी है। पिता पुत्र गांव में बटाई पर खेती करते थे। परिजनों ने बताया कि मृतक की चचेरी बहन की आज शादी होनी थी परिवार में मौत से घर मे सन्नाटा छाया हुआ है।

मृतक की फाइल फोटो

पुनरीक्षण कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने बीएलओ को प्रदान किये प्रमाण-पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विगत दिवस देर सांय जिलाधिकारी अनुनय झा ने मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की प्रक्रिया में तहसील सदर की विधान सभा 157 गोपामऊ बूथ संख्या.304 व 313 पर कार्यरत बीएलओ/सुपरवाइजर सर्वेश राजवंशी तथा बूथ संख्या-194 व 203 पर कार्यरत बीएलओ/लेखपाल राजीव लोचन पंत द्वारा शत-प्रतिशत पुनरीक्षण कार्य पूर्ण करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

6 दिसम्बर को सण्डीला व 20 दिसम्बर को सवायजपुर में आयोजित किया जायेगा सम्पूर्ण समाधान दिवस

■ जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आहूत सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया है कि माह दिसम्बर 2025 में 06 दिसम्बर 2025 को तहसील सण्डीला आहूत सम्पूर्ण समाधान दिवस अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में आयोजित किया जायेगा तथा शाहाबाद में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में, बिलग्राम में अपर जिलाधिकारी वि0एवंरा0 की अध्यक्षता में, सवायजपुर में अपर जिलाधिकारी न्यायिक की अध्यक्षता में और तहसील सदर में नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि इसी तरह 20 दिसम्बर 2025 को तहसील सवायजपुर में आहूत सम्पूर्ण समाधान दिवस अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में आयोजित किया जायेगा तथा शाहाबाद में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में बिलग्राम में अपर जिलाधिकारी वि0 एवं रा0 की अध्यक्षता में, सण्डीला में अपर जिलाधिकारी न्यायिक की अध्यक्षता में तथा तहसील सदर में नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा।

उन्होने कहा है कि अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में आहूत होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा तथा अन्य तहसीलों में उनके द्वारा नामित अधिकारियों की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी सहित तहसील, ब्लाक, नगर पालिका/नगर पंचायत तथा थाना स्तरीय अधिकारियों द्वारा भाग लिया जायेगा।

जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक 09 दिसम्बर कोः मनोज कुमार

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार ने अवगत कराया है कि जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में 09 दिसम्बर 2025 को स्वामी विवेकानन्द सभागार में अपरान्ह 04 बजे आहूत की गयी है। उन्होन संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा है कि उक्त समीक्षा बैठक में निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, हरदोई

दिनाँक-04.12.2025

नोटिस अंतर्गत धारा 147/2 म्यू0ऐक्ट 1916

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमती... आनन्द पाठक पुत्र / पत्नी झब्बू लाल निवासी 4272/3 बहरा सौदागर पश्चिमी जिला हरदोई ने प्रार्थना पत्र देकर निवेदन किया है कि मकान/दुकान 4272/3 स्थित मो0 बहरा सौदागर पश्चिमी हरदोई मालिक प्रार्थी / प्रार्थिनी/प्रार्थीगण हूँ, इसलिए इस मकान/दुकान का प्रार्थी / प्रार्थिनी / प्रार्थीगण के नाम नगर पालिका परिषद हरदोई के अभिलेख में दर्ज कर लिया जाये।

अतएव म्यू0ऐक्ट घारा 147/2 के अंतर्गत सभी लोगो को सूचित किया जाता है कि उस व्यक्ति को उक्त मकान/दुकान की मिलकियत के नामान्तरण के सम्बन्ध में आपत्ति करनी हो तो यह नोटिस जारी होने के एक मास (30 दिन) के अन्दर सहित प्रमाण कर सकता है अन्यथा नोटिस का समय समाप्त होने पर प्रार्थना पत्र के अनुसार मालिक का नाम नगर पालिका परिषद हरदोई के अभिलेख में दर्ज कर दिया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद हरदोई

(नमूना काबिल फरोक्त)
(सम्मन वास्ते कारोरदा उसूर तबह तलब)
(आर्डर 4 कायदा 2 व)

नम्बर O.S.No.-303/2023 **जिला** **मुद्दई**

पेशी- 12.01.2026

न्यायालय श्रीमान् न्यायाधिकारी महोदय
ग्राम न्यायालय सण्डीला हरदोई।

राजकुमार सिंह - **वादी**

बनाम अनिल कुमार सिंह आदि

साकिन **मुद्दाअलेह**

हरगाह **रामकुमार सिंह** आदि ने नाबिल बतारीख दायर की गई है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख माह सन् ई0 बवक्त बजे दिन के असालतन या मार्फत किसी वकील के जो मुकदमा के हालात सरकार वक्त वाकिफ किया गया हो और कुछ उजारत बहाल मुतालिब के मुकदमा का जवाब दे सकेगा जिसके बाद कोई सनद हो कि जो बनाम ऐसे अदालत को दे सके कि हाजिर हो और जवाबदेही को करें। आपको लाजिम है कि उसी राज जुमला दस्तावेज पेश कार आपको लाजिम अपना जवाबदेही वक्त तालीम चाहते हैं। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर आप बरोज बुनकर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर आपको महसूस और फसल होगी बबावत मेरे दस्तखत और मोहर अदालत ने आज बतारीख .... माह सन् 20 ई0 को जारी किया गया है।

इत्तिला जब

1. आपको यह आदेश दिया जाता है कि आपके द्वारा गवाह अपनी मर्जी से हाजिर न होंगे तो आप अदालत हाजी सम्मन मराद जारी करवा सकते है कि जो गवाह हो उसे जब हाजिर कराया जाय और दस्तावेज को किसी तरह से पेश करने की आप इत्तेहाक रखते है वह उससे पेश कराई जाये व शर्ते खर्चा जरूर अदालत में दाखिल करने इस अर्ज की दरख्वास्त गुजरायें।

2. अगर आप मुतालिब मुद्दई की तामील करते हैं तो आपको लाजिम है कि रूपया मय खर्चा जालित अदालत से दाखिल करें ताकि कार्यवाही इजरा डिग्री की जो डायरी जानमाल या दानों पर करना पड़े।

ग्राम न्यायालय
तहसील सण्डीला, जिला-हरदोई।

एसआईआर पर नया विवाद

24 जून 2025 को चुनाव आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर का आदेश) दिया था, जो शुरुआत से विवादों में बना रहा। इसे लेकर कई तरह की आशंकाएं विपक्ष ने प्रकट कीं, जिनमें से कई सही भी साबित हुईं। लेकिन चुनाव आयोग ने विपक्ष की चिंताओं का कोई समाधान नहीं किया। वहीं सत्तारुढ़ भाजपा ने भी लगातार एसआईआर को जरूरी बताते हुए चुनाव आयोग का बचाव किया। भाजपा ने तो यहां तक दावा किया कि विपक्ष घुसपैठियों का साथ दे रहा है, इसलिए वो एसआईआर का विरोध कर रहा है। हालांकि चुनाव आयोग ने आज तक यह नहीं बताया है कि उसे कितने घुसपैठिए मतदाता के तौर पर मिले हैं। बहरहाल, एसआईआर पर उठ रहे कई तरह के सवालों के बीच अब एक बड़ा खुलासा अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस ने किया है। जिसके बाद चुनाव आयोग का फैसला और नीयत दोनों पर तत्काल सफाई पेश किए जाने की जरूरत है। क्योंकि एसआईआर में सबसे बड़ी चिंता यही थी कि नागरिकों से उनके मतदान का हक छीना जा रहा है। यह चिंता इस खुलासे के बाद और गहरा गई है। दरअसल इंडियन एक्सप्रेस ने एसआईआर के आदेश के मसौदे में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधु द्वारा की गई एक अहम टिप्पणी को हटाने का खुलासा किया है। श्री संधु ने आदेश के ड्राफ्ट संस्करण में एक सतर्कता वाली टिप्पणी दर्ज की थी। जो हटा दी गई है। चुनाव आयुक्त संधु ने ड्राफ्ट आदेश की फाइल में लिखा था- श्यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि वास्तविक मतदाताध्नागरिक, विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, गरीब और अन्य कमजोर वर्ग के लोग परेशान न महसूस करें और उन्हें सुविधा प्रदान की जाए।यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि जब एसआईआर के लिए वैध दस्तावेज की सूची जारी की गई, तो सबसे ज्यादा तकलीफ में गरीब ही आए। बिहार से ऐसी ढेरों खबरें आईं, इसी पर सुप्रीम कोर्ट में सवाल भी पूछा गया कि आधार को दस्तावेज लिस्ट में शामिल क्यों नहीं किया गया। दो बार की मौखिक सलाह के बाद तीसरी बार अदालत को भी आधार शामिल करने के लिए चुनाव आयोग को सख्त लहजे में कहा गया। अब श्री संधु की टिप्पणी के बाद समझ आ रहा है कि चुनाव आयोग में भी नागरिकता बचाने पर चिंता व्यक्त की जा रही थी। ये और बात है कि उस चिंता को जाहिर नहीं होने दिया गया। ऐसा क्यों किया गया, इसके पीछे किसका दबाव था, क्या चुनाव आयुक्तों में मतभेद है, क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपने साथी चुनाव आयुक्त द्वारा व्यक्त की गई चिंता की उपेक्षा की, ऐसे कई सवाल इस खुलासे के बाद उठ रहे हैं।गौरतलब है कि अंतिम आदेश में श्री संधु की टिप्पणी को हटा दिया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बाद में उस फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए। इंडियन एक्सप्रेस द्वारा देखे गए ड्राफ्ट आदेश के पैराग्राफ 2.5 और 2.6 में एसआईआर को स्पष्ट रूप से नागरिकता अधिनियम से जोड़ा गया था और अधिनियम में हुए बदलाव को इस प्रक्रिया का औचित्य बताया गया था। ड्राफ्ट आदेश में लिखा था कि श्आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि भारत के संविधान और नागरिकता अधिनियम, 1955 (श्नागरिकता अधिनियमश) के अनुसार केवल नागरिकों के ही नाम मतदाता सूची में शामिल हों। नागरिकता अधिनियम में 2004 में महत्वपूर्ण संशोधन हुआ था और उसके बाद देशभर में कोई गहन संशोधन नहीं किया गया था।लेकिन अंतिम आदेश में नागरिकता अधिनियम और 2003 में पारित तथा 2004 से लागू संशोधन के सभी संदर्भ हटा दिए गए। उसकी जगह लिखा गया- चूंकि संविधान के अनुच्छेद 326 में निर्धारित मूलभूत शर्तों में से एक यह है कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के लिए व्यक्ति का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। फलस्वरूप, आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि केवल नागरिक ही...। यह पैराग्राफ अचानक बीच में ही खत्म हो जाता है, वाक्य सेमिकोलन के बाद अधूरा रह जाता है।24 जून से अब तक चुनाव आयोग ने इस अधूरी लाइन पर कोई टिप्पणी नहीं की है कि आखिर वो लाइन अधूरी क्यों है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक उसने 28 नवंबर को आयोग के प्रवक्ता से दोनों आदेशों में हुए बदलाव के बारे में पूछा था, लेकिन कोई टिप्पणी नहीं मिली। वहीं आयुक्त संधु से भी उनकी टिप्पणी के बारे में और यह भी पूछा गया कि क्या उनकी चिंताओं का समाधान किया गया, लेकिन वे भी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे। यह अजीब बात है कि आयुक्त संधु ने नागरिकता के जिस बिंदु पर चिंता जाहिर की थी, उसका नाम लिए बिना ही उसे अंतिम आदेश के पैराग्राफ 13 में शामिल कर लिया गया।

भाजपा ने तो यहां तक दावा किया कि विपक्ष घुसपैठियों का साथ दे रहा है, इसलिए वो एसआईआर का विरोध कर रहा है। हालांकि चुनाव आयोग ने आज तक यह नहीं बताया है कि उसे कितने घुसपैठिए मतदाता के तौर पर मिले हैं। बहरहाल, एसआईआर पर उठ रहे कई तरह के सवालों के बीच अब एक बड़ा खुलासा अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस ने किया है। जिसके बाद चुनाव आयोग का फैसला और नीयत दोनों पर तत्काल सफाई पेश किए जाने की जरूरत है। क्योंकि एसआईआर में सबसे बड़ी चिंता यही थी कि नागरिकों से उनके मतदान का हक छीना जा रहा है।

घुसपैठ पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

न्यायालय की टिप्पणी वस्तुतः उस वास्तविकता की ओर सीधा संकेत है जिसे लगातार नजरअंदाज किया जाता रहा है। भारत के अपने नागरिक आज भी गरीबी, बेरोजगारी और संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसे में जो लोग अवैध तरीके से सीमा पार करके भारत में दाखिल होते हैं, वे सुरक्षा के लिए खतरा होने के साथ ही कहना होगा कि देश के सीमित संसाधनों पर भारी बोझ हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह सवाल कि क्या भारतीय नागरिकों की कीमत पर अवैध घुसपैठियों को संसाधन और लाभ दिए जाएँ, बिल्कुल उचित है। अदालत ने कहा कि भारत में भी बहुत गरीब लोग मौजूद हैं जिनके अधिकारों और जरूरतों की अनदेखी नहीं की जा सकती। सबसे बड़ा खतरा सुरक्षा का है। घुसपैठिये बाड़ काटकर, नदी पार करके या नकली दस्तावेजों के सहारे भारत में आते हैं। इनमें से कई अपराधी, तस्कर या कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े भी हो सकते हैं। कई बार ऐसे नेटवर्क पकड़े गए हैं।

भारत आज एक ऐसी चुनौती से जूझ रहा है जिसे राजनीतिक शोरगुल और मानवीय दलीलों की आड़ में अक्सर दबा दिया जाता है, जबकि उसकी तीक्ष्णता लगातार बढ़ रही है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की बढ़ती संख्या अब केवल आंकड़ों का खेल नहीं रही, यह देश की सामाजिक संरचना, सुरक्षा व्यवस्था और आर्थिक संतुलन को गहराई तक चोट पहुँचा चुकी समस्या बन चुकी है। अलग-अलग आकलनों के अनुसार भारत में दो करोड़ से लेकर छह करोड़ तक अवैध घुसपैठिये मौजूद हो सकते हैं। केवल पश्चिम बंगाल में पचपन से साठ लाख तक और असम में पचास लाख तक की संख्या बताई जाती है। गुजरात, दिल्ली और महाराष्ट्र में लगातार चल रही छापेमार कार्रवाइयाँ इस संकट की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका प्रमाण देती हैं। इन परिस्थितियों के बीच सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख एक चेतावनी के रूप में सामने आया है। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि भारत अवैध प्रवेश करने वालों के लिए लाल कालीन नहीं बिछा सकता। यह चेतावनी अचानक नहीं आई। यह दशकों से खुली सरहदों और राजनीतिक ढिलाई का नतीजा है। न्यायालय ने पूछा कि क्या इन लोगों को भारत सरकार ने शरणार्थी घोषित किया है। जब इसका जवाब न में मिला, तो अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि फिर कानून की दृष्टि से वे घुसपैठिये हैं। यह स्थिति साफ है और इसमें कोई दुविधा नहीं रहनी चाहिए। न्यायालय की टिप्पणी वस्तुतः उस वास्तविकता की ओर सीधा संकेत है जिसे लगातार नजरअंदाज किया जाता रहा है। भारत के अपने नागरिक आज भी गरीबी, बेरोजगारी और संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसे में जो लोग अवैध तरीके से सीमा पार करके भारत में दाखिल होते हैं, वे सुरक्षा के लिए खतरा होने के साथ ही कहना होगा कि देश के सीमित संसाधनों पर भारी बोझ हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह सवाल कि क्या भारतीय नागरिकों की कीमत पर अवैध घुसपैठियों को संसाधन और लाभ दिए जाएँ, बिल्कुल उचित है। अदालत ने कहा कि भारत में भी बहुत गरीब लोग मौजूद हैं जिनके अधिकारों और जरूरतों की अनदेखी नहीं की जा सकती। सबसे बड़ा खतरा सुरक्षा का है। घुसपैठिये बाड़ काटकर, नदी पार करके या नकली दस्तावेजों के सहारे भारत में आते हैं। इनमें से कई अपराधी, तस्कर या कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े भी हो सकते हैं। कई बार ऐसे नेटवर्क पकड़े गए हैं। असम, बंगाल और दिल्ली में मिले फर्जी पहचान पत्र इस खतरे को और पुष्ट करते हैं। जब अवैध प्रवासी मतदाता सूची में घुसने लगते हैं, तब वे सिर्फ सुरक्षा पर हमला नहीं कर रहे होते हैं, वास्तव में ये लोकतंत्र की बुनियादी संरचना पर हमला होता है। घुसपैठ का दूसरा बड़ा दुष्परिणाम आर्थिक और सामाजिक असंतुलन है। अवैध तरीके से बसे लोग सरकारी योजनाओं का लाभ ले लेते हैं, राशन कार्ड हासिल कर लेते हैं, मजदूरी पर प्रभाव डालते हैं और स्थानीय लोगों के रोजगार को प्रभावित करते हैं। उनके कारण मजदूरी दरें गिरती हैं और सरकारी संसाधनों पर दबाव बढ़ता है। शहरों में भीड़ और अवैध बस्तियों की बढ़ोतरी इसी का परिणाम है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अवैध प्रवासी जिस राज्य में बसते हैं वहाँ की जनसांख्यिकीय संरचना बदलने लगती है। असम, त्रिपुरा और बंगाल जैसे राज्यों में यह बदलाव अब साफ दिखने लगा है। यह बदलाव भविष्य में सामाजिक तनाव, राजनीतिक अस्थिरता और सांस्कृतिक संघर्ष की जमीन तैयार कर सकता है। इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश में घर-घर घुसपैठियों की तलाश का आदेश बताता है कि यह समस्या आज सिर्फ पूर्वोत्तर या पूर्वी भारत तक सीमित नहीं रह गई है। अवैध प्रवासी अब देश के हर हिस्से में पहुँच चुके हैं। वे पहचान पत्र बनवा लेते हैं और धीरे-धीरे स्थायी बसावट की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं। यह स्थिति पूरे प्रशासनिक ढांचे के लिए चुनौती बन चुकी है। फिर इन सबके बीच यह तर्क दिया जाता है कि निर्वासन केवल कानूनी प्रक्रिया के अनुसार हो। पर न्यायालय ने इसका सीधा और तार्किक उत्तर दिया आज दे दिया है । कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि पहले अवैध तरीके से सीमा पार की जाए और जब पकड़ में आएँ तो कहा जाए कि अब हमें भारतीय कानूनों का पूरा संरक्षण दिया जाए, यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता। कानून का दुरुपयोग और राष्ट्र के संसाधनों का दोहन किसी भी परिस्थिति में न्यायोचित नहीं है। वास्तव में ऐसे में कहना यही होगा कि भारत को अब इस समस्या को केवल मानवीय दृष्टिकोण या राजनीतिक नफा नुकसान के चश्मे से देखने की पुरानी प्रवृत्ति छोड़नी होगी। यह समय निर्णायक कदम उठाने का है। सीमा प्रबंधन को तकनीकी रूप से और मजबूत बनाना होगा। अवैध दस्तावेज बनवाने वाले नेटवर्कों पर कठोर कार्रवाई करनी होगी। नागरिकता और शरणार्थी नीति को स्पष्ट और पारदर्शी बनाना होगा। साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों को एक समान नीति के तहत इस संकट से निपटना होगा। घुसपैठ कोई साधारण समस्या नहीं है। यह एक धीमा विष है जो राष्ट्र की नसों में फैलता है। यह सुरक्षा को चोट पहुँचाता है, अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है, सामाजिक माहौल को बदरंग करता है और लोकतांत्रिक संरचना को भीतर से खोखला करता है। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी भारत के लिए समय पर आया हुआ सिग्नल है। अब यह सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे देश की सीमाओं को सुरक्षित करें और इस लगातार बढ़ती चुनौती को निर्णायक रूप से रोकें। वस्तुतः भारत की मजबूती उसकी सीमाओं की सुरक्षा में है और घुसपैठ उन दीवारों में दरार डालने वाली अनदेखी आग है। इस आग को तुरंत बुझाना होगा अन्यथा आने वाले वर्षों में इसका दुष्परिणाम भारत की स्थिरता और पहचान पर भारी पड़ सकता है। समस्या विकराल हो उससे पहले उसका निदान जरूरी है। अच्छा है न्यायालय उस दिशा में अपने कदम बढ़ा चुका है। ऐसे में जो मानवाधिकार के नाम पर हल्ला कर रहे हैं, उन्हें भी इन घुसपैठियों पर अपनी आंखें खोल लेनी चाहिए।

मध्यप्रदेश में सत्ता और संगठन का नया मॉडल

पवन वर्मा

मध्यप्रदेश की राजनीति इन दिनों एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सत्ता के शीर्ष पर बैठे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और संगठन की कमान संभाल रहे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की जोड़ी ने एक ऐसा मॉडल विकसित किया है, जिसने पार्टी की कार्यप्रणाली और कार्यकर्ता-संगठन के संबंधों को बिल्कुल नए ढंग से परिभाषित किया है। दोनों नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा का मूल आधार कार्यकर्ता है, और यदि कार्यकर्ता मजबूत होगा तो सरकार भी मजबूत होगी और संगठन भी। इसी सोच को आधार बनाकर दोनों ने एक ऐसा प्रयोग शुरू किया है जिसने मध्यप्रदेश भाजपा की कार्यशैली को नया आयाम दिया है। इस समय प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक अभिनव व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत हर दिन दो मंत्री पार्टी कार्यालय में बैठकर कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनते हैं। यह मॉडल पहली नज़र में सरल लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह एक मौन क्रांति है। भारतीय राजनीति में मंत्री अधिकतर मंत्रालय और शासकीय बैठकों में व्यस्त रहते हैं, और कार्यकर्ताओं को उनसे सीधी मुलाकात का अवसर बहुत कम मिलता है। कई बार कार्यकर्ता घंटों इंतज़ार करते हैं, डायरियों में नाम लिखाते हैं, कई स्तरों से अनुमति लेते हैं, तब कहीं जाकर किसी मंत्री तक अपनी समस्या पहुंचा पाते हैं। भाजपा के इस नए मॉडल ने इस दूरी को समाप्त कर दिया है। अब कार्यकर्ता सीधे भाजपा कार्यालय में निर्धारित समय पर मंत्री से मिल सकता है, अपनी परेशानी बता सकता है और समाधान का स्पष्ट रोडमैप प्राप्त कर सकता है। यह व्यवस्था सत्ता और संगठन के बीच की उस खाई को कम कर रही है जो अक्सर लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले दलों में दिखाई देती है। लेकिन मध्यप्रदेश में, मोहन-खंडेलवाल की जोड़ी ने नेतृत्व की चुस्ती, संवाद की निरंतरता और कार्यकर्ता सम्मान को केंद्र में रखकर उस दूरी को बहुत हद तक खत्म कर दिया है। इस प्रयोग का असर यह हुआ है कि कार्यकर्ता फिर से सक्रिय रूप से भोपाल पहुंचने लगे हैं। मंत्री भी इस बात को गंभीरता से ले रहे हैं कि उनकी उपस्थिति केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समस्याओं के समाधान का माध्यम है। यदि कोई समस्या उनके विभाग से जुड़ी है तो वहीं तत्काल समाधान की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। और यदि मामला दूसरे विभाग का है तो मंत्री स्वयं दूसरे विभाग के मंत्री को इसकी जानकारी देते हैं और कार्यकर्ता को यह भरोसा दिलाते हैं कि उसका काम आगे बढ़ेगा। यह भरोसा ही वह पूंजी है जिससे संगठन जीवंत रहता है। इस मॉडल की सफलता का सबसे बड़ा कारण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और हेमंत खंडेलवाल के बीच स्वाभाविक तालमेल है। दोनों ही नेताओं का फोकस स्पष्ट है कि कार्यकर्ता को सम्मान मिलना चाहिए, उसकी समस्याएं प्राथमिकता से सुनी जानी चाहिए, और उसे यह महसूस होना चाहिए कि वह पार्टी की संरचना में सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर है। मुख्यमंत्री मोहन यादव अपनी स्पष्टवादिता, समयनिष्ठ प्रशासनिक शैली और निर्णायक नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। वहीं हेमंत खंडेलवाल का व्यक्तित्व संवाद, सहजता और व्यापक संगठनात्मक समझ के लिए पहचाना जाता है। दोनों के बीच यह संतुलन ही मध्यप्रदेश भाजपा की कार्यशैली को नई गति दे रहा है। संपूर्ण राजनीतिक परिदृश्य में यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सिर्फ किसी कार्यक्रम या कैंपेन का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह भाजपा के शक्ति संतुलन मॉडल का व्यावहारिक, जीवंत और निरंतर स्वरूप है। ऐसी व्यवस्था में संगठन के नेताओं और सत्ता में बैठे मंत्रियों के बीच सीधा संवाद होता है, जो न केवल निर्णय प्रक्रिया को सरल करता है बल्कि कार्यकर्ताओं को यह एहसास दिलाता है कि वे सरकार का अभिन्न हिस्सा हैं। यह वह मॉडल है जिसमें सत्ता और संगठन दोनों एक ही धुरी पर घूमते दिखाई देते हैं और वह धुरी है कार्यकर्ता का सम्मान एवं उसकी सक्रियता। मध्यप्रदेश का राजनीतिक इतिहास बताता है कि भाजपा लंबे समय से सत्ता में है। ऐसे समय में संगठन का शिथिल पड़ना स्वाभाविक होता है। लेकिन इस बार होता इसके उलट दिखाई दे रहा है। यह नई प्रणाली भाजपा कार्यकर्ताओं के भीतर एक तरह की ऊर्ज़ा वापस ला रही है। जो कार्यकर्ता कुछ वर्षों से सक्रिय नहीं थे, वे भी अब भोपाल आने लगे हैं। वे समझ रहे हैं कि पार्टी कार्यालय में बैठा मंत्री उनकी बात सीधे सुन रहा है, उन्हें गंभीरता से ले रहा है, और सरकार उनकी कठिनाइयों पर काम करने को तैयार है। यह विश्वास नेतृत्व को और मजबूत बनाता है। दूसरी ओर, इस मॉडल ने विपक्ष पर भी दबाव बढ़ा दिया है। कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है कि भाजपा न केवल सत्ता में मजबूत है, बल्कि संगठनात्मक स्तर पर भी बेहद सक्रिय और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रही है। ऐसा बहुत कम होता है जब सरकार अपने राजनीतिक ढांचे में कार्यकर्ता को केंद्र में रखकर रोजाना संवाद का ऐसा सीधा माध्यम बनाए। राजनीतिक विज्ञान की दृष्टि से देखें तो यह व्यवस्था लोकतांत्रिक संवाद का एक नया रूप है, जो प्रशासनिक जवाबदेही, संगठनात्मक मजबूती और राजनीतिक स्थिरता तीनों को एक साथ सुदृढ़ करता है। यह भी उल्लेखनीय है कि इस मॉडल का एक प्रभाव प्रशासन पर भी पड़ रहा है। जब मंत्री रोजाना सौ,दो सौ कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हैं, तो वे अपने विभागीय अधिकारियों पर स्पष्ट दबाव डालते हैं कि कामकाज में देरी नहीं होनी चाहिए। इससे फाइल निपटान की गति बढ़ती है, अधिकारियों में जवाबदेही की भावना आती है और सरकारी तंत्र अधिक संवेदनशील बनता है। यह स्थिति यह भी सुनिश्चित करती है कि जमीनी स्तर की समस्याएं सीधे शासन तक पहुंचें और बिना अनावश्यक औपचारिकताओं के समाधान हों। मोहन-खंडेलवाल मॉडल यह भी संकेत देता है कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा मध्यप्रदेश में पुनः उसी ऊर्ज़ा के साथ लौट रहा है जिसने राज्य में पार्टी को लगातार जीत दिलाई थी। बीते वर्षों में कुछ असंतोष, दूरी और निष्क्रियता दिखाई देने लगी थी, लेकिन मौजूदा नेतृत्व ने इसे बहुत ही रणनीतिक तरीके से संभाला है। जिस सहजता से दोनों नेता खुद को कार्यकर्ताओं के बीच ले जा रहे हैं, वह बताता है कि राजनीति में संवाद और विश्वास कितनी बड़ी भूमिका निभाते हैं। मध्यप्रदेश भाजपा में यह प्रयोग सिर्फ वर्तमान के लिए नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए राजनीतिक और संगठनात्मक ढांचा तैयार कर रहा है। जो कार्यकर्ता आज भाजपा कार्यालय में जाकर अपनी बात मंत्री को बता रहा है, वही कल बूथ स्तर पर पार्टी का सबसे मजबूत स्तंभ बनता है। यह मॉडल चुनाव प्रबंधन के विज्ञान में भी महत्वपूर्ण माना जाएगा क्योंकि यह सीधे उन लोगों को सशक्त करता है जो चुनाव और जनाधार की सबसे पहली कड़ी होते हैं। कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि मध्यप्रदेश में सत्ता और संगठन के बीच जो संतुलन आज दिखाई दे रहा है, वह लंबे समय बाद देखने को मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की जोड़ी ने यह साबित कर दिया है कि अगर नेतृत्व इच्छाशक्ति दिखाए, संवाद को प्राथमिकता दे, कार्यकर्ता को सम्मान दे और सत्ता को संवेदनशील बनाए, तो राजनीति सिर्फ सरकारी आदेशों से नहीं बल्कि मानवीय स्पर्श और संगठनात्मक सामंजस्य से चलती है। मध्यप्रदेश आज एक ऐसी राजनीतिक प्रयोगशाला के रूप में उभर रहा है जहां कार्यकर्ता केंद्रित शासन और संगठनात्मक संवेदनशीलता का नया मॉडल आकार ले रहा है। यह सिर्फ प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक नई राजनीतिक संस्कृति का उदय है,एक ऐसी संस्कृति जिसमें सत्ता कार्यकर्ता तक जाती है, और कार्यकर्ता सत्ता को मजबूत बनाता है। यही मोहन-खंडेलवाल मॉडल की असली सफलता है।

पुतिन की भारत यात्राः नयी विश्व राजनीति की आहट

ललित गर्ग

पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हो रही है, जब वैशिक शक्ति-संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका-चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्ज़ा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। पुतिन भारत को न केवल रक्षा सहयोगी मानते हैं, बल्कि एशियाई भू-राजनीति में संतुलन का स्तंभ भी। वहीं मोदी की विदेश नीति बहुधूरवीय विश्व की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें रूस का स्थान केंद्रीय है। इस यात्रा से ऊर्ज़ा सहयोग और बढ़ेगा।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा एक साधारण कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के सात दशकों में बुनी एवं गढ़ी गई मित्रता का नवीन उद्घोष है। कहा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र और शत्रु नहीं, स्थायी हित होते हैं, किंतु भारत-रूस संबंध इस कथन की परिधि से आगे जाकर स्थायी भरोसे, नैतिक दायित्व और पारस्परिक सम्मान के प्रतीक बने हुए हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका, यूरोप एवं नाटो गठबंधन रूस पर कठोर आर्थिक और रणनीतिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इसके बावजूद भारत ने रूस को न केवल कूटनीतिक स्तर पर सम्मान-साथ दिया बल्कि ऊर्ज़ा व रक्षा क्षेत्र में उसे सबसे भरोसेमंद साझेदार माना। इसलिए यह वार्ता केवल दो नेताओं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात नहीं, बल्कि एक नए युग के सूत्रपात का संकेत है, नयी विश्व राजनीतिक समीकरण की आहट है। भारत और रूस की मित्रता का इतिहास लगभग 70 वर्षों का है। शीतयुद्ध काल में रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से लेकर पोखरण परमाणु परीक्षणों तक, रूस ने भारत का साथ दिया। आज जब यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति को धूरवीकृत कर दिया है, अमेरिका ने भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव बनाया, किंतु भारत ने सामरिक स्वायत्तता की नीति को बनाए रखते हुए रूस का साथ निभाया। पश्चिम के प्रतिबंधों के बीच भारत ने भारी मात्रा में रूसी पेट्रोलियम और गैस खरीदकर अपनी ऊर्ज़ा सुरक्षा सुनिश्चित की तथा रूस को आर्थिक सहारा दिया। यह निर्णय महज एक वाणिज्यिक लाभ का मामला नहीं था, बल्कि भारतीय विदेश नीति की स्वयंभूता का प्रदर्शन था। दूसरी ओर, रूस ने भी भारत को कभी निराश नहीं किया। चाहे एस-400 वायु रक्षा प्रणाली हो, टी-90 टैंक हों, ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना हो या पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुयू-57 से जुड़ा सहयोग, भारत की सैन्य क्षमता में रूस का योगदान निर्णायक रहा है। वहीं पाकिस्तान की शत्रुता के खिलाफ भारत के हितों को रूस का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता रहा। हाल ही में दक्षिण एशिया की बदलती सुरक्षा परिस्थितियों में रूस ने भारत की सामरिक चिंता को समझा और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों में सहयोग की भूमिका निभाई। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों की गहराई और विश्वास को दर्शाता है। पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हो रही है, जब वैशिक शक्ति-संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका-चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्ज़ा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। पुतिन भारत को न केवल रक्षा सहयोगी मानते हैं, बल्कि एशियाई भू-राजनीति में संतुलन का स्तंभ भी। वहीं मोदी की विदेश नीति बहुधूरवीय विश्व की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें रूस का स्थान केंद्रीय है। इस यात्रा से ऊर्ज़ा सहयोग और बढ़ेगा। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्ज़ा उपभोक्ता है और रूस उसके लिए सस्ता, विश्वसनीय तथा दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता। प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने भारत को कच्चे तेल के साथ ही कोयला, गैस और परमाणु ऊर्ज़ा परियोजनाओं में सहयोग दिया। भारत को सस्ती ऊर्ज़ा देने के पीछे केवल व्यावसायिक हित नहीं बल्कि मित्रता और सामरिक साझेदारी भी निहित है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग और विस्तृत होने की उम्मीद है। भारत का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' रक्षा उत्पादन है और रूस इसके लिए सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। ब्रह्मोस मिसाइल, राइफल निर्माण, स्पेयर पार्ट सप्लाई और संयुक्त विकास कार्यक्रमों के नए विकल्प वार्ता में उभरेंगे। रूस भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, निर्माता के रूप में स्थापित करने में सहभागी है, जो संबंधों की परिपक्वता को दर्शाता है। भारत-रूस दोस्ती अब एक नया अध्याय लिखने को तत्पर है। दोनों देशों की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है, यहां तक की अमेरिका के साथ बेहतर हुए संबंधों के दौर में भी रूस हमारा विश्वस्त साझीदार बना रहा है, प्रगाढ़ दोस्ती में कोई फर्क नहीं पड़ा है। अब रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों की दोस्ती में नई गरमाहट की संभावना के साथ दोस्ती के नये स्वस्तिक उकेरने की बात सामने आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है, लेकिन रूस के साथ देश के दशकों पुराने रक्षा संबंध भी बरकरार हैं। भारत ने अमेरिका और यूरोप से हथियारों की खरीद बढ़ाकर रूस पर निर्भरता को संतुलित बनाया है, लेकिन मॉस्को अभी भी भारत का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। रूस दोस्ती की ओर आगे बढ़ते हुए भारत के लोगों को रोजगार देने के लिये भी एक समझौता मसौदा तैयार किया है। रूस अपने उद्योगों के लिए 10 लाख भारतीय कुशल श्रमिकों को काम पर रखना चाहता है। भारत-रूस संबंधों का सबसे मजबूत आधार है-कूटनीतिक विश्वास और सम्मान। रूस ने कभी भारतीय आंतरिक राजनीति या नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया। उसने कश्मीर, परमाणु नीति, रणनीतिक साझेदारी और पड़ोसी विवादों पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया। वहीं भारत ने भी रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझाकृचाहे नाटो विस्तार का मुद्दा हो या यूक्रेन का संघर्ष। इसलिए भारत ने पश्चिमी दबावों की उपेक्षा करते हुए संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा के क्षेत्र में भी रूस की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में रूस सहयोगी रहा है और भविष्य की यात्री-वाहक मिशनों में भी सहयोग की संभावनाएँ हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी भी विशेष हैरू योग, आयुर्वेद, साहित्य, रूसी नाट्यकला और भारतीय कलाकृसबने एक-दूसरे समाज में स्थान पाया। फिर भी यह संबंध चुनौतियों से खाली नहीं। चीन-रूस साझेदारी और भारत-अमेरिका निकटता के बीच संतुलन बनाए रखना दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण है। रूस चाहता है कि एशिया में भारत संतुलक भूमिका निभाए, वहीं भारत नहीं चाहता कि रूस का झुकाव चीन की ओर अत्यधिक बढ़े। इसी प्रकार रक्षा सहयोग में तकनीक हस्तांतरण, उत्पादन विलंब और आर्थिक भुगतान व्यवस्थाओं पर भी मतभेद रहे हैं। किंतु इन मतभेदों को वार्ता द्वारा समाधान के प्रयास दोनों राष्ट्रों की परिपक्वता को दर्शाते हैं। पुतिन की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है कि यह बताती है कि भारत किसी वैश्विक शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर संबंध तय करता है। ऊर्ज़ा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता, बहुधूरवीय वैश्विक व्यवस्था और एशियाई सामरिक संतुलन की दृष्टि से भारत-रूस साझेदारी अपरिहार्य है। मोदी और पुतिन की मुलाकात इस विश्वास की प्रमाणिकता है कि संबंध केवल शीत युद्ध की स्मृतियों पर नहीं, बल्कि समकालीन हितों और भविष्य की रणनीति पर आधारित हैं। यह यात्रा एक प्रतीक है-स्वतंत्र विदेश नीति, सामरिक साझेदारी और सांस्कृतिक सम्मान की। भारत-रूस संबंध केवल दो राष्ट्रों की निकटता का परिचय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक विशिष्ट वैकल्पिक शक्ति संरचना का निर्माण है। पश्चिमी देशों की आलोचना और प्रतिबंधों के बावजूद भारत और रूस ने अपने संबंधों को न केवल जीवित रखा बल्कि सुदृढ़ किया। इस मुलाकात से भारत की ऊर्ज़ा सुरक्षा को नई गति मिलेगी, रक्षा उत्पादन को स्वदेशीकरण का बल मिलेगा, व्यापार एवं तकनीकी सहयोग विस्तृत होगा और रणनीतिक विश्वास की डोर और मजबूत होगी। पुतिन और मोदी की यह वार्ता बताती है कि भूराजनीति केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि भरोसे और सहयोग पर भी टिकती है। अतः कहा जा सकता है कि पुतिन की भारत यात्रा एक नई ऊर्ज़ा, नए दृष्टिकोण और नई साझेदारियों की शुरुआत है-जहाँ भारत और रूस न केवल मित्र हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर संतुलित, स्वाधीन और बहुधूरवीय विश्व व्यवस्था के निर्माता भी हैं। यह यात्रा उसी निर्माण का नवीन अध्याय है, जिसमें पुराने भरोसे से जन्म ले रहा है एक नया भविष्य।

हाई मास्क लाइट लगवाने के नाम पर प्रधान सचिव ने लाखों रुपए का किया बंदरबांट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बबेरू विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत उमरहनी गांव में हाईलाइट लगवाने के नाम पर प्रधान व सचिव व जेई के साथ मिलकर लाखों रुपए निकालकर बंदरबाट किया है। और जमीनी हकीकत देखें तो अभी तक लाइट लगी भी नहीं है। उमरहनी गांव में खाकी बाबा शिव मंदिर के पास हाई मास्ट लाइट लगवाने के नाम पर ग्राम प्रधान हरि कल्याण सिंह, सचिव श्रीमती पूजा सिंह, ने जेई एमआई अरुण कुमार के साथ मिलकर बिना एमबी किए 24 नवंबर 2025 को 1 लाख 94 हजार 652 रुपए का भुगतान कर लिया गया। लेकिन जमीनी हकीकत देखें तो 3 दिसंबर दिन बुधवार तक लाइट नहीं लगाई गई है, तो साफ-साफ जाहिर हो रहा है, कि जो खाकी बाबा शिव मंदिर के पास हाई मस्ट लाइट का भुगतान किया गया है। वह प्रधान सचिव व जेई एमआई के द्वारा बंदरबाट कर लिया गया है। सरकार के द्वारा ग्राम पंचायत में विकास कार्य को लेकर जिस प्रकार से पैसा खर्च कर रही है। वह जमीन पर नहीं हो रहा है, जिसमें ग्राम प्रधान व सचिव फल फूल रहे हैं। वही जब इस विषय में बातचीत जिला पंचायत राज अधिकारी से बात करना चाह तो फोन नहीं उठाया, वही ग्राम प्रधान इस विषय में फोन से पूंछा गया, तो बताया कि मैं खेत में काम करवा रहा हूं, और फोन काट दिया। वहीं ग्रामीणों ने जानकारी दिया कि यहां पर अभी किसी भी प्रकार की लाइट नहीं लगी है। सौर ऊर्जा की लाइट पहले लगी थी, लेकिन 10 दिन जलने के बाद वह भी नहीं जल रही है। जिससे धार्मिक स्थान से लेकर के पूरे गांव में अंधेरा बना रहता है।

मंडलीय पेंशन अदालत का आयोजन 1 जनवरी को

बांदा। आयुक्त अजीत कुमार की अध्यक्षता में 1 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे आयुक्त के यहाँ मंडलीय पेंशन अदालत आयोजित होगी । इस पेंशन अदालत में चित्रकूटधाम मंडल के जनपद बाँदा, हमीरपुर, महोबा व चित्रकूट के समस्त राजकीय कार्यालयों एवं उप्र बेसिक शिक्षा परिषद् के अंतर्गत प्राइमरी एवं जूनियर हाई स्कूल से सेवा निवृत्त कार्मिकों/ अध्यापकों व उनके आश्रितों के लम्बित सेवा नैवृत्तिक लाभों (यथा पेंशन, उपादान, पेंशन पुनरीक्षण आदि) से ही सम्बंधित वाद पत्र/प्रत्यावेदन निर्धारित प्रारूप पर तीन प्रतियों में कार्यालय अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, चित्रकूटधाम मंडल, बाँदा में पंजीकृत डाक से अथवा व्यक्तिगत रूप से12 दिसंबर को 4 बजे तक प्राप्त कराये जा सकते हैं। इस तिथि के उपरान्त कोई भी वाद स्वीकार नहीं किये जायेंगे द्य वाद पत्र/प्रत्यावेदन की एक प्रति सम्बंधित कार्यालयाध्यक्ष जहाँ से कर्मचारी सेवा निवृत्त हुआ है को अनिवार्य रूप से प्राप्त कराते हुए प्राप्ति रसीद लेना अपेक्षित है।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में गहराते विवाद के बीच कार्रवाई की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जसपुरा की वार्डन अर्चना अग्रवाल ने एक बार फिर जिलाधिकारी,कमिश्नर और सीडीओ को पत्र भेजकर गंभीर आरोप लगाए हैं।उन्होंने अपने पत्र में जसपुरा की पूर्व वार्डन पूनम गुप्ता के खिलाफ पूर्व में हुई शिकायतों और साक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा है कि दोषी होने के बावजूद उन्हें सजा देने के बजाय उपकृत किया गया और तिंदवारी स्थानांतरित कर दिया गया।अर्चना अग्रवाल का दावा है कि छात्राओं की शिकायतों में पूनम गुप्ता कई मामलों में दोषी पाई गई थीं, लेकिन बीएसए की ओर से किसी भी प्रकार की अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई।वार्डन ने बीएसए पर जिलेभर में मनमाने तरीके से एक साथ तबादले करने और नियमों की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया है।उनका कहना है कि कुछ विद्यालयों में एक ही विषय की दो-दो शिक्षिकाएँ तैनात कर दी गईं, जबकि कई विद्यालय ऐसे हैं जहाँ उसी विषय की एक भी शिक्षिका नहीं है,जिससे छात्राओं की पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।इसके अलावा, आरटीआई के माध्यम से मांगी गई जानकारी न दिए जाने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई है।अर्चना अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में बच्चियों के लिए आने वाले धन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है और विभाग के कुछ अधिकारी इसमें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वे इस लड़ाई को प्रणालीगत भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष मानकर जारी रखेंगी।उन्होंने जिलाधिकारी से मामले का संज्ञान लेकर विस्तृत जांच कराने की मांग की है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और छात्राओं के हित सुरक्षित रह सकें। सपा नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में बीएसए से जनसूचना के तहत जानकारी मांगी थी लेकिन उन्होंने ने कोई भी जानकारी नहीं दी है।

अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

बांदा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध शस्त्रों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना नरैनी पुलिस द्वारा अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है । गौरतलब हो कि आज थाना नरैनी पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अतर्रा रोड वशीर भवन कस्बा नरैनी के पास संदिग्ध रुप से भ्रमण कर रहा है । सूचना पर तत्काल पुलिस द्वारा मौके पर जाकर व्यक्ति को पकड़कर तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुए । गिरफ्तार अभियुक्तों सौरभ पुत्र नरेन्द्र निवासी मोतियारी थाना नरैनी जनपद बांदा है।

दिव्यांगों ने समस्याओं को लेकर मंत्री को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। विश्व दिव्यांग दिवस के मौगे पर दिव्यांगजनों ने अपनी विभिन्न नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जलशक्ति राज्य मंत्री को सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की है। वहीं मंत्री ने दिव्यांगों को समस्याओं के जल्द से जल्द समाधान कराये जाने का आश्वासन दिया है। अटल भारतीय हिंदू फाउंडेशन के बैनर तले दिव्यांग प्रकोष्ठ के बुन्देलखण्ड अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार शुक्ला ने जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद को दिये ज्ञापन में बताया है कि आजादी के सात दशक बीतने के बाद भी दिव्यांगों की स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने मंत्री से मांग की कि प्रदेश के सभी दिव्यांगों को 5 हजार रूपये मासिक पेंशन दी जाये। सभी दिव्यांगों को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्रदान किये जायें। दिव्यांगों को सरकारी बस स्टैण्ड सार्वजनिक स्थलों, रेलवे स्टेशन,तहसील कम्पाण्डों आदि में बनी सरकारी कैण्टीनों को आवंटित की जायें। दिव्यांगों को सरकारी राशन कोटे की दुकान में चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाये। जिला परिषद व नगर पालिका की दुकानों में भी चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाये सहित अन्य कई मांगे शामिल हैं।

साड़ी खादर में दौड़ रहे हैं सरपट ओवर लोड ट्रक, जिम्मेदारों ने खींचा हाथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

साड़ी खादर 77 का लाल तांडव और काला सच भाग-2

- खदान संचालक और मैनेजमेंट जिले की नदी को कर रहे हैं सत्यानाश

बांदा। जिले की प्रसिद्द नदी का जैसे दोहन किया जा रहा है उस तरीके से न तो अधिकारी इस पर ध्यान दे रहे हैं और न जिले के मंत्री विधायक ध्यान दे रहे हैं ऐसे में तो यही कयास लगाया जा सकता है की कही न कही इन सभी लोगो को संचालक और मैनेजमेंट वाला व्यक्ति बहुत ही प्रभावशाली है जिसके चलते किसी भी अधिकारी की कार्यवाही करने की हिम्मत नही पद रही है। साड़ी खादर का सांड इस लिए कहा जा रहा है की ये सांड बेकाबू हो गया है जिसको लेकर अवैध खनन करने में ये सांड बहुत ही अपने में परचम लहराए हुए हैं। साड़ी खादर ये खदान एक ?सी खदान है जहां पर अवैध खनन और अवैध परिवहन के लिए जिले में ये एक मिशाल कायम किये हुए हैं। क्योंकि पैलानी तहसील में एक दर्जन से अधिक खदाने संचालित है लेकिन इतनी अधिक मात्रा में अवैध खनन और अवैध परिवहन उनके द्वारा नही किया जा रहा है लेकिन युए साड़ी खादर मोरंग खदान अपने आप में एक मिशाल बनी हुयी है और यही नही यहाँ के मैनेज वाले गुर्गे भी अपने आप में बहुत तिलस्मी हासिल किये हुए है जिसके चलते अवैध खनन तो हो ही रहा है लेकिन जिले में उनको रोकने वाला कोई नही अवैध है। मामला पैलानी तहसील के साड़ी खादर 77 नंबर मोरंग खदान का है जहां पर खदान में अवैध खनन सांड की तरह छुट्टा चल रहा है वही अगर प्रदेश में ओवर लोड और लोकेशन बाजों को लेकर एसटीएफ ने बड़ी कार्यवाही करके प्रदेश में एक भय का माहौल कायम कर दिया था लेकिन बांदा जिले में किसी भी तरह का कोई भय नही कायम है क्योंकि सादी खादर एक उसका उदाहरण है जिसके चलते यही कयास लगाए जा सकतें हैं की यहाँ का संचालक किसी का भय नही मानता है और छुट्टा अवैध खनन करने में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है।

बबलू और अशोक का चक्र अधिकारी तोड़ने में विफल और अवैध परिवहन जोरो पर

जिले की नदियों का दोहन करके सरकार अपना राजस्व तो पूरा करवा रही है लेकिन जिले में बैठे अधिकारियों को नियम के तहत ही खनन करवाना चाहिए लेकिन ऐसा नही है क्योंकि इस खदान का अशोक और बबलू इतने अधिक बाहुबली हैं की इनके आगे सरकारी मशीने भी फ़ेल नजर होते आ रही है जिसके चलते जिले की स्थित प्रदेश में एक प्रश्न चिन्ह खडा कर रही है। जिले में अवैध खानन और अवैध परिवहन के साथ लोकेशान बाजों का भी जखीरा शाम होते ही शुरू हो जाता है जिस पर साड़ी खादर मोरंग खदान का इस मामले में बहुत ही बड़ा हाँथ है क्योंकि इनकी चार पहिया शाम होते ही लोकेशन में लग जाती है और साहब कहाँ जा रहे हैं ये सीधे बता दिया जाता है जिसको लेकर साड़ी खादर खंड 77 में बैठे संचालक से लेकर चार पहिया में घूमने वालों तक से लेकर जिला प्रशासन और सरकार की आँखों में मोरंग झोंक कर अपना अवैध काम कर रहे हैं लेकिन अगर एसटीएफ (स्पेसल टास्क फ़ोर्स) हिले में एक बार अपनी जांच शुरू कर दे तो सबसे पहले लोकेशनबाजों से लेकर अवैध खनन करने और जो रात में चार पहिया लेकर टक्का बने हुए हैं उन पर लम्बी कार्यवाही हो सकती है क्योंकि साड़ी खादर खंड 77 इस समय जिले में अवैध खनन, अवैध परिवहन के साथ साथ लोकेशन के लिए बहुत ही अच्छी तरह जानी जा रही है इसका एक उदाहरण है की बांदा से लेकर पपरेंदा और साड़ी खादर खदान तक में कम से कम 4 चार पहिया रात दिन घूमते हुए आपको दिखेंगी कुछ तो इसी जिले का परिवहन नंबर और कुछ तो फतेहपुर, रायबरेली और नाकपुर, लखनऊ वाले नंबर की चार पहिया वाहन आपको आते जाते हुए मिलेंगी।

खदान संचालक का भय की किसान बेचारा न तो शिकायत कर पा रहा और न ही हंस रहा है

पैलानी तहसील के साड़ी खादर खंड 77 के संचालक और गुर्गों का इतना अधिक भय व्याप्त है की वहाँ के किसानो ने अपनी जबान तक नही खोल रहे हैं क्योंकि यहाँ के संचालक और गुर्गे दोनों ही बहुत ही प्रभावशाली हैं जिसके चलते किसानो को यह लग रहा है की कही जबान खोलना हमारे परिवार के लिए कोई मुशीबत न बन जाए जिसको लेकर अब वो अपना मुँह खोलने को तैयार नही है। वहीं सूत्रों की माने तो यहाँ के संचालक और उसके गुर्गों द्वारा किसानो को बरगला कर हलफनामे लिए हैं और उसमे साफ़ साफ़ यह लिखवा दिया गया है की हमारी खेती वाली जमीन पर मोरंग है और उसमे कोई भी उपज नही हो रही है जिसको हम लोग अपनी जमीन मोरंग निकालने के लिए संचालक के फर्म को दे रहे हैं।

इसी संचालक की जिले में अभी संचालित्त हो रही हैं लगभग आधा दर्जन मोरंग खदाने

वहीं साड़ी खादर 77 नंबर वाले संचालक की इतनी अधिक पकड़ मजबूत है की वो अभी जिले में बहुत अधिक पैर पसारा रहा है जिसके चलते अब आधा दर्जन मोरंग खदाने संचालित हो रही है जिसमे इसी तरह धड़ल्ले से अवैध मोरंग खदान को संचालित करने में संचालक वैसे भी महारथ हांसिल किये हुए हैं ।

जिलाधिकारी ने यमुना नदी पर निर्माणाधीन सेतु कार्य की प्रगति का लिया जायजा

परियोजना प्रबंधक क्षेत्र निगम से स्पष्टीकरण तलब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज चक गुलाम आलम कछार गढ़वा कौशाम्बी से ताड़ी मुस्तकिल, चित्रकूट मार्ग को जोड़ने वाले यमुना नदी पर निर्माणाधीन सेतु पहुंच मार्ग तथा सुरक्षात्मक कार्यों की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परियोजना प्रबंधक, सेतु निगम से परियोजना की आरम्भ तिथि तथा कार्य पूर्ण होने की निर्धारित समयावधि के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बताया गया कि सेतु निर्माण कार्य को जून 2025 तक पूर्ण किया जाना था, लेकिन निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी कार्य लंबित है। निर्माण कार्य में स्पष्ट विलंब, अनुबंधित फर्म के विरुद्ध कोई दंडात्मक कार्रवाई न किए जाने तथा कार्य प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग न होने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने परियोजना प्रबंधक सेतु निगम से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने निर्माण कार्य में तेजी लाने, श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर गुणवत्ता के साथ कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराने के कड़े निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े ऐसे महत्वपूर्ण कार्यों में लापरवाही किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं होगी।

जिलाधिकारी ने पीएम सीएम इंटर्नशिप योजना की प्रगति की समीक्षा की

कौशाम्बी, जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज अपने कार्यालय कक्ष में पी.एम./सी.एम. इंटर्नशिप योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि निर्धारित लक्ष्य 300 के सापेक्ष अब तक केवल 119 युवाओं को ही इंटर्नशिप से जोड़ा गया है जो अत्यंत असंतोषजनक है।उन्होंने नोडल प्रधानाचार्य आई.टी.आई. सिराथू यजुर्वेदनाथ को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक पात्र युवाओं को अप्रेंटिसशिप से जोड़ा जाए। साथ ही, उन्होंने उपायुक्त उद्योग से समन्वय कर निजी क्षेत्र में भी पात्र युवाओं को अप्रेंटिस उपलब्ध कराने पर जोर दिया, ताकि योजना का शत-प्रतिशत लक्ष्य समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके।बैठक में नोडल/प्रधानाचार्य आई.टी.आई. सिराथू ने अवगत कराया कि 08 दिसंबर 2025 को आई.टी.आई. सिराथू में अप्रेंटिस मेला आयोजित किया जा रहा है, जिसमें युवाओं को रोजगारोन्मुख अवसर प्रदान किए जाएंगे।समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने हसनपुर में चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। डॉ. अमित पाल ने ह्लगांव की समस्या, गांव में समाधानङ्क कार्यक्रम के अंतर्गत आज ग्राम घनश्याम नगर उर्फ हसनपुर में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं एवं जरूरी विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों एवं मांगों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। चौपाल के दौरान जिलाधिकारी ने लाभार्थियों से पुष्टाहार, पेंशन, शौचालय, राशन, कन्या सुमंगला योजना तथा आवास योजनाओं के लाभ मिलने की स्थिति जानी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छूटे हुए सभी पात्र व्यक्तियों को समयबद्ध रूप से योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाय।किसानों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अपना धान केवल क्रय केंद्रों पर ही बेचें तथा किसी भी स्थिति में पराली न जलाएं। महिलाओं को उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा व्यवस्था पर जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से पूछा कि शिक्षक समय से विद्यालय आते हैं या नहीं, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता कैसी है तथा पाठ्यपुस्तक वितरण समय से हुआ या नहीं। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में शिक्षक समय से आते हैं और उचित रूप से शिक्षण कार्य करते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल जानने पर ग्रामीणों ने बताया कि निकटवर्ती प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से उत्तम स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त हो रही हैं। जिलाधिकारी ने ग्राम स्थित सामुदायिक शौचालय की सफाई एवं क्रियाशीलता का भी सत्यापन कराया, जो संतोषजनक पायी गयी। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड प्रदान किए तथा टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की। उन्होंने बच्चों का अन्नप्राशन एवं महिलाओं की गोदभराई भी करायी। जिलाधिकारी ने पंचायत राज विभाग को निर्देशित किया कि ग्राम में स्थित आर.आर.सी. केंद्र को शीघ्र क्रियाशील किया जाए। साथ ही, उच्च प्राथमिक विद्यालय, हसनपुर में 19 पैरामीटर के अंतर्गत कराए गए कार्यों का ऑन-ग्राउंड सत्यापन भी करवाया।

ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा शिकायती पत्र, प्रधान शिक्षक के खिलाफ की कार्यवाही की मांग

सफीपुर। विकास खंड क्षेत्र के रूपपुर चंदेला गांव के ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। बुधवार को ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर प्रधान शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीण देवी प्रसाद तिवारी, पूर्व प्रधान गंगाराम, मुनेश, कन्हैया, उत्तम, मुकेश पाल, रामनारायण, श्रीपाल सहित करीब दो दर्जन लोगों का आरोप है कि प्रधान शिक्षक सुधीर की तैनाती के छह माह में ही विद्यालय की स्थिति बदहाल हो गई है। शिक्षण कार्य की उपेक्षा कर मोबाइल पर समय गुज़ारना, समय से विद्यालय न पहुंचना और अक्सर जल्दी छुट्टी कर देना जैसी शिकायतें ग्रामीणों ने दर्ज कराई हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि विद्यालय की बाउंड्रीवाल तुड़वा दी गई है। मिड-डे-मील योजना में अनियमितता बरती जा रही है, बच्चों को मानक के अनुसार भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा जबकि अधिक छात्र दिखाकर राशन की हेरा-फ़ेरी की जा रही है।

सरैया बाज़ार और बतूआ शाहपुर में छापेमारी, 72 लीटर कच्ची शराब बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। आबकारी टीम ने बुधवार को थाना मौरावां क्षेत्र के सरैया बाज़ार और बतूआ शाहपुर में छापेमारी कर 72 लीटर कच्ची शराब बरामद की। कार्रवाई आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-4 पुरवा निशांत सिंह द्वारा स्थानीय पुलिस टीम के साथ संयुक्त रूप से की गई। आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने बताया कि मुखबिर खास से मिली सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में दो अभियोग आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं में दर्ज किए गए हैं। टीम ने मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की है।

आबकारी विभाग का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शून्य मृत्यु लक्ष्य अभियान के तहत पुलिस की बड़ी पहल

उन्नाव। सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाने और यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जीरो फ़ेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट अभियान के तहत उन्नाव पुलिस ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक उन्नाव जय प्रकाश सिंह ने आज पुलिस कार्यालय परिसर से क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों को 10 नई अपाची मोटरसाइकिलें हरी झंडी दिखाकर रवाना कीं। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी प्रेमचंद तथा क्षेत्राधिकारी यातायात अजय कुमार सिंह मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि नई मोटरसाइकिलें दुर्घटना स्थलों पर त्वरित पहुंच, तेज़ी से प्रतिक्रिया और यातायात प्रवर्तन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी।क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों को हाईवे तथा अन्य प्रमुख मार्गों पर सतत गश्त करने, दुर्घटना-प्रभावित स्थलों पर विशेष निगरानी रखने और यातायात नियमों के सख्त अनुपालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

26 नए सबमर्सिबल पंप सेट व पानी की टंकियों का लोकार्पण

- नगर पालिका अध्यक्षा श्वेता भानू मिश्रा ने किया उद्घाटन, शेष कार्यों में तेजी के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। नगर की जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में नगर पालिका परिषद उन्नाव ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सोमवार को नगर पालिका परिषद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती श्वेता भानू मिश्रा ने 26 नवनिर्मित सबमर्सिबल पंप सेटों एवं पानी की टंकियों का विधिवत लोकार्पण किया। इस पहल से नगर के विभिन्न इलाकों में व्याप्त पेयजल समस्या में काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

इस अवसर पर अध्यक्षा श्वेता भानू मिश्रा ने कहा कि जनसंपर्क के दौरान नागरिकों से निर्बाध एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने का जो संकल्प लिया गया था, वह अब साकार होता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद जल समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु लगातार कार्य कर रही है।

अध्यक्षा ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष नगर में 62 सबमर्सिबल पंप सेट एवं पानी की टंकियां स्थापित की गई थीं। वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 95 इकाइयां स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से 26 इकाइयों का कार्य पूर्ण कर लोकार्पण कर दिया गया है, जबकि शेष 69 इकाइयों का कार्य तेज़ी से प्रगति पर है। अध्यक्षा ने कहा कि नई जल सुविधाओं के शुरू होने से विशेषकर गर्मी के मौसम में नागरिकों को पेयजल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने नगर पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि शेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा कराया जाए।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सभासदगण, नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। नागरिकों ने इस जनहितकारी पहल के लिए नगर पालिका अध्यक्षा के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ किया गया कि उन्नाव नगर के प्रत्येक नागरिक तक स्वच्छ, सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि 26.12.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे, यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	01282025 दिनांक 03.12.2025
2	निविदा संख्या	28-SrDEN-I-LKO-2025-26
3	कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता (मुख्यालय) लखनऊ के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता / कार्य / आलमबाग-पश्चिम के अनुभाग में आलमबाग पुलिस स्टेशन से लंगड़ा फाटक तक रेलवे रोड (कैरेज एवं वैगन वर्कशॉप रोड) के उन्नयन एवं सुधार का कार्य।
4	अनुमानित लागत	Rs. 2,48,95,733.92
5	धरोहर राशि	Rs. 2,74,500.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छः माह।
7	निविदा खोलने की प्रारंभ तिथि	12.12.2025
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	26.12.2025, 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट:- निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। 3748/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

करियर मेले में उमड़े सपनों के सैलाब

सीडीओ अभिषेक कुमार ने दिखाई सफलता की राह, छात्रों में उमंग की नई लहर

- ओपन ऑडिटोरियम में मेले की रौनक, 55 राजकीय विद्यालयों से पहुंचे विद्यार्थी- सवाल-जवाब में दिखी जबरदस्त दिलचस्पी
- करियर मेले में छात्रों की भारी भागीदारी, ऑडिटोरियम रहा खचाखच भरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। राजकीय आईटीआई के ओपन ऑडिटोरियम में गुरुवार को आयोजित जनपदीय कैरियर मेला युवा उम्मीदों का केंद्र बन गया। माध्यमिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस मेले में जिले के हाई स्कूल और इंटरमीडिएट कॉलेजों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पहुंचे, जो अपने भविष्य को लेकर दिशा और विकल्प जानने को उत्सुक दिखाई दिए।

कार्यक्रम की सबसे खास बात रही मुख्य अतिथि सीडीओ अभिषेक कुमार का प्रेरक और प्रभावी मार्गदर्शन, जिसे सुनने के बाद न सिर्फ छात्रों की शंकाएं दूर हुईं, बल्कि उनमें नए आत्मविश्वास का संचार भी हुआ।

छात्रों को संबोधित करते हुए सीडीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि आज का दौर अवसरों का युग है। तकनीकी शिक्षा हो, आईटी सेक्टर, प्रतियोगी परीक्षाएं, कृषि आधारित रोजगार या स्टार्टअप हर क्षेत्र में सफल होने के अपार मौके मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि डर या दबाव में लिया गया करियर निर्णय गलत साबित होता है। लक्ष्य स्पष्ट रखें और तैयारी उसी दिशा में करें, यही सफलता की पहली सीढ़ी है। उनके इन शब्दों ने छात्रों पर गहरा असर छोड़ा और वातावरण में ऊर्जा का संचार कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, स्किल कोर्स की उपयोगिता, रोजगार अवसर और सरकारी योजनाओं को लेकर सवाल पूछे। सीडीओ ने सभी प्रश्नों के सरल और व्यवहारिक उत्तर दिए, जिससे छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ा। कई छात्रों ने कहा कि पहली बार करियर की चिंता कम और दिशा ज्यादा साफ महसूस हुई। इस कार्यक्रम में पीडी एसएएन चौरसिया, डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र, डिप्टी सीएमओ डॉ प्रमोद कुमार रावत, आईटीआई प्रधानाचार्य, जीआईसी प्रधानाचार्य डॉ जगत प्रकाश सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इसमें जिले के सभी 55 राजकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी, नोडल शिक्षक एवं प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

मैलानी पुलिस ने वारंट जारी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मैलानी खीरी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मैलानी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वारंट जारी अभियुक्त बृजेश कुमार राठौर पुत्र सुन्दरलाल निवासी वार्ड नंबर 1 कस्बा मैलानी को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के विरुद्ध एनसीआर संख्या 130/13 धारा 352/504 आईपीसी में मामला दर्ज है। मंगलवार को पुलिस ने उसे पकड़कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष भेज दिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक हिमांशु कांस्टेबल अश्वनी शामिल रहे।

लखीमपुर खीरी में तंबाकू बेचने वालों और बाल श्रमिकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने गुरुवार को राजापुर चौराहे और रामपुर में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे तंबाकू मुक्त युवा अभियान के दृष्टिगत बड़ी कार्रवाई की। टीम ने स्कूल-कॉलेजों के आसपास तंबाकू बेचने वाले पांच दुकानदारों के चालान किए और 1000 रुपये का राजस्व वसूला। इसके अलावा, श्रम विभाग के द्वारा सात ऐसे व्यापारियों को नोटिस दिया गया, जिनके द्वारा नाबालिग बच्चों से कार्य कराया जा रहा था। यह कार्रवाई बाल श्रम अधिनियम के तहत की गई है। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर, विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि युवा पीढ़ी को तंबाकू से बचाने के लिए यह अभियान बहुत जरूरी है। जिला श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रियंका वर्मा ने बताया कि बाल श्रम को रोकने के लिए यह अभियान लगातार चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सात दुकानदारों को नोटिस दिया गया है, जिनके यहां बाल श्रमिक पाए गए हैं।

एटीएचयू प्रभारी राम अवतार यादव ने बताया कि एसपी खीरी के निर्देश पर उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और श्रम विभाग की टीम से सामंजस्य स्थापित कर यह अभियान चलाया है, जो काफी हद तक सफल रहा।

जिलाधिकारी ने मछरेहटा में किया औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीतापुर। मछरेहटा ब्लॉक में जिलाधिकारी सीतापुर डा0 राजा गणपति आर ने बृहस्पतिवार की शाम लगभग 4:00 बजे ब्लाक मछरेहटा में औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए और ब्लॉक के सभी विभाग बीडिओं कार्यालय,पंचायत कार्यालय, एनआर एल एम , समाज कल्याण विभाग, मनरेगा आदि विभागों की गहनता से जांच की जिसमे सभी विभागों में जो कमियां पाई उनको सुधार करने की नसीहत दी वही एन आर एल एम में काफी देर तक पूछ ताछ कर्मचारियों से महिला समूहों की करतें रहे और सुधार करनें के निर्देश दिया वही जिलाधिकारी ने जाच करने के बाद बताया कि एन आर एल एम , पंचायत विभाग, मनरेगा, आई जी आर एस में सुधार करने के निर्देश दिए हैं और ब्लाक के कर्मचारियों को सही करनें का एक बार मौका भी दिया गया है वही गन्ना विभाग के दो गन्ना क्रय केंद्रों का भी निरीक्षण किया जिसमें ज्यादा कुछ नही पाया गया है इस मौके पर खंडविकास अधिकारी राजेश तिवारी, एडियो पंचायत संदीप कुमार, एडिओ समाज कल्याण अमिताभ वर्मा,एड़िओ सहकारिता मयंक बाजपेई,एडिओ कृषि संजीव कुमार आदि कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

सीएचसी में मलेरिया प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

मितौली खीरी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखीमपुर खीरी के निर्देशानुसार आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली में आशा एवं एएनएम कार्यकर्तियों की प्रथम क्लस्टर मीटिंग एवं मलेरिया प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अधीक्षक डॉ. देवेंद्र सिंह के संरक्षण में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान मलेरिया रोग की पहचान, रोकथाम, नियंत्रण, स्लाइड निर्माण तथा फील्ड कार्य में अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण डॉ. रेणु बैसवार, पाथ संस्था के कोऑर्डिनेटर जुबेर अली, एवं लैब टेक्नीशियन शिवेंद्र सिंह द्वारा दिया गया। साथ ही 25 दिसंबर तक संचालित होने वाले टिक उत्सव टीकाकरण अभियान एवं आयुष्मान गोल्डन कार्ड अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी बीपीएम द्वारा दी गई।

रोट्रैक्ट क्लब गोला छोटी काशी ने सड़क सुरक्षा के अंतर्गत वाहनों पर लगाई रेडियम पट्टियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। रोट्रैक्ट क्लब गोला छोटी काशी एवं रोटरी क्लब गोला सेंट्रल के संयुक्त तत्वाधान में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत गोला नगर के मिल यार्ड में आने वाले वाहनों तथा बैलगाड़ियों, ट्रैक्टर व ट्रालियों पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू एवं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अम्बर सिंह और उनकी टीम के साथ मिलकर रेडियम पट्टी लगाने का कार्य करते हुए कृषकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के प्रभारी के रूप रोट. प्रशांत कुमार मिश्रा एवं विजय शुक्ल रिंकू ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि रोट्रैक्ट क्लब गोला छोटी काशी एवं रोटरी क्लब गोला सेंट्रल के संयुक्त तत्वाधान में नगर में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रेडियम पट्टी लगाने का कार्य गत कई वर्षो से निरंतर किया जा रहा है। रेडियम पट्टी लगाने का कार्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देता है ताकि रात में वाहन और सड़क की बाधाएं दूर से दिखाई दें और हादसों को रोका जा सके। यह पट्टी वाहनों ट्रैक्टर, ट्रॉली,मोटरसाइकिल, बैलगाड़ी) पर,सड़क के साइनबोर्ड पर और अन्य जगहों जैसे कि खंभों,निर्माण स्थलों,और मवेशियों पर भी लगाई जाती है। संस्था के अध्यक्ष पवन गुप्ता एवं सुमित कुमार शाह ने बताया कि रात में,खासकर कोहरे या खराब रोशनी वाली सड़कों पर,रेडियम पट्टियां अन्य ड्राइवरों को आगे किसी वाहन या सड़क पर बाधा होने का संकेत देती हैं जिससे टक्कर से बचाव होता है। इस मौके पर रोट.त्रिनयन राजपूत , गौरी शंकर यादव,पवन प्रजापति,गौरव गुप्ता,सौरभ गुप्ता,रवि प्रकाश , वरुन अग्रवाल समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

26 दिन पूर्व चोरी हुई ट्राली का सुराग नहीं लगा सकी पुलिस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कोतवाली गोला क्षेत्र के गांव खम्हौल से 26 दिन पहले गांव के बाहर खड़ी दोपहिया जुट्टा ट्राली चोरी होने का सुराग पुलिस अबतक नहीं लगा सकी है। पुलिस ने ट्राली चोरी का मुकदमा दर्ज कर इतिश्री करली है। इस चोरी से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है वहीं गोला पुलिस की ग्रस्त पर भी लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस की कार्यप्रणाली पर लोगों में असन्तोष उपज रहा है। ज्ञात हो कि खम्हौल निवासी सद्दाम हुसैन की दोपहिया नीले रंग की जुट्टा ट्राली गांव के बाहर अन्य ट्रालियों के साथ खड़ी थी, जिसे 8 नवम्बर रात को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी। रविवार जब ट्राली का कोई पता नही चला तो गोला पुलिस को लिखित तहरीर दी थी कई दिनों बाद गोला थाने में ट्राली चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया था।

फ़र्ज़ी मर्डर केस में 11 दिसम्बर को आ सकता है कोर्ट का जजमेंट, जीजा या साले में कौन जायेगा जेल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। खबर वादी मुकदमा मुस्तफ़ा पुत्र गफ़ूर ग्राम रमपुरवा मजरा दरियाबाद थाना भीरा जिला खीरी ने अपनी जिंदा पत्नी की फ़र्ज़ी हत्या दर्शाकर अपने सगे साले बरकत अली अंसारी व उनके दो पुत्रों पर दिनांक- 27 जून 2023 को कोर्ट में किया था केस।मामले में वादी के बयान व तीन लोगों की गवाही पड़ते ही जनपद लखीमपुर खीरी की अवाम 11 दिसंबर 2025 के जजमेंट का कर रही बेसब्री से इंतजार। बरकत अली अंसारी का कहना है की किसी इंसान का क़त्ल करना गोया कि इंसानियत का कत्ल करने के समान है,इंसान के कातिल की जगह है जेल। कानून की नजर में कातिल की सजा है (फांसी) या उम्रकैद। बरकत अली अंसारी का यह भी कहना है कि (सत्य मेव जयते) सत्य की कभी मौत नहीं होती सत्य विचलित,परेशान हो सकता है अंतता विजय सत्य की होती है असत्य पराजित होकर सत्य के सामने हो जाता है ढेर।

मोहम्मदी पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले आरोपी को वाहन सहित दबोचा

मोहम्मदी खीरी। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में मोहम्मदी पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में वांछित आरोपी सतनाम सिंह पुत्र मुख्तार सिंह निवासी लखपेडा, मोहम्मदी को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल यूपी 31 बीवाई 9735 (बजाज पल्सर) बरामद की गई। उसके खिलाफ मुकदमा संख्या 832/25 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस में कार्रवाई की गई है। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने की जनसुनवाई, कई मामलों में दिए त्वरित निर्देश

- अटल सभागार में आयोजित जनसुनवाई में महिलाओं ने बेहिचक रखी अपनी पीड़ा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना मजूमदार अपने निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार जनपद लखीमपुर खीरी पहुंची, जहां उन्होंने कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में जनसुनवाई की। इस दौरान राज्य महिला आयोग सदस्य सुजीता कुमारी, सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एएसपी अमित राय, डीपीओ लवकुश भार्गव, भारत प्रसाद सहित बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना मजूमदार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में आयोजित इस जनसुनवाई के दौरान महिलाओं की 94 शिकायतों का अनुश्रवण किया गया। संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। सदस्य श्रीमती अर्चना मजूमदार ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग का लक्ष्य देश की प्रत्येक महिला को न्याय, सम्मान और समान अवसर दिलाना है। 'राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार' कार्यक्रम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की समस्याओं को स्थानीय स्तर पर सुनकर उनका समाधान सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से आयोग सीधे उन महिलाओं तक पहुँच रहा है, जो किसी कारणवश अपनी शिकायत उच्च स्तर तक नहीं पहुँचा पातीं। यह कार्यक्रम महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक भी करता है। इस जनसुनवाई में घरेलू हिंसा, दुष्कर्म, विवाह संबंधी प्रकरण, भरण-पोषण और साइबर क्राइम से संबंधित शिकायतों पर सुनवाई की। शिकायत निवारण के साथ-साथ, कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों, कानूनी प्रावधानों और आत्मनिर्भरता से जुड़ी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

देश का उभरता इको-टूरिज्म डेस्टिनेशन बन रहा उत्तर प्रदेश

- 161 करोड़ रुपए के निवेश से बदली जंगलों की तस्वीर, दुर्लभ वन्यजीवों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

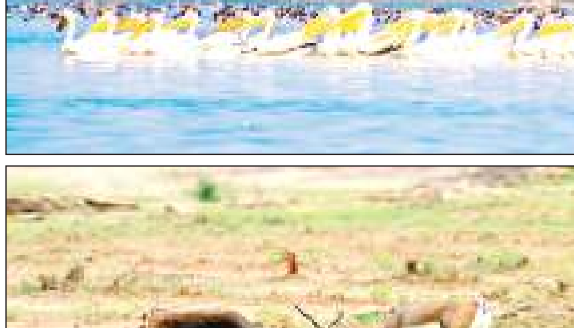

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण और इको-टूरिज्म को लेकर की गई प्रयासों ने राज्य की छवि को तेजी से बदला है। प्राकृतिक परिदृश्य व जंगलों की सुरक्षा के साथ पर्यावरण अनुकूल पर्यटन ढांचे को मजबूत किया गया है। परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश प्रकृति प्रेमियों का नया प्रमुख गंतव्य बनकर उभर रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वन, सिंचाई सहित विभिन्न विभागों के समन्वय से पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य संरक्षण को मजबूत रखते हुए स्थानीय समुदाय को आजीविका से जोड़ना है।

दुर्लभ वन्यजीवों का सुरक्षित भविष्य- गैंडा, बाघ, बारहसिंघा, घड़ियाल जैसे प्रजातियों के आवास क्षेत्रों को संरक्षित और विकसित किया गया है। दुधवा, पीलीभीत, कतर्नियाघाट, अमानगढ़, सोहगीबरवा– ये सभी वन क्षेत्र अब पर्यटन के मजबूत केंद्र के रूप में पहचान बना रहे हैं।

तीन वर्षों में 161 करोड़ से अधिक निवेश

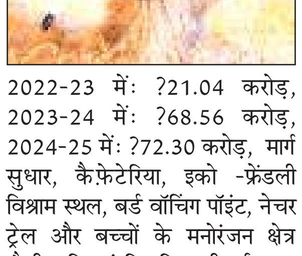

इको-टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा 2022-23 में: ?21.04 करोड़, 2023-24 में: ?68.56 करोड़, 2024-25 में: ?72.30 करोड़, मार्ग सुधार, कैफ़ेटेरिया, इको -फ्रेंडली विश्राम स्थल, बर्ड वॉचिंग पॉइंट, नेचर ट्रेल और बच्चों के मनोरंजन क्षेत्र जैसी सुविधाएं विकसित की गईं।

सभी निर्माण कार्य प्राकृतिक संतुलन सुरक्षित रखते हुए किए गए। संरक्षण प्रयासों से बढ़ी वन्यजीव संख्या वर्ष 2025 के नवीनतम सर्वे में दुधवा टाइगर रिजर्व: 1.13 लाख + वन्यजीव। कतर्नियाघाट 17,000 + बफर जोन: 15,000 + गुलदार/तेंदुआ की संख्या। 2022: 92, 2025: 275, गैंडा:202249, 2025: 66।

वन्यजीव संरक्षण में यूपी की ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज विकसित उत्तर प्रदेश @2047 - इको-टूरिज्म बनेगा विकास का आधार वन क्षेत्रों को प्लास्टिक-मुक्त बनाने की पहल

वेटलैंड्स व वाइल्डलाइफ जोन को जोड़कर हरित नेटवर्क विकसित

स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित सैलानियों को मिलेगा स्थानीय जीवन का अनुभव दुधवा, पीलीभीत और कतर्नियाघाट में नेचर गाइड्स प्रशिक्षण। थारू जनजाति को पर्यटन से जोड़ने की विशेष पहल ग्रामीणों को होम-स्टे प्रोत्साहन, सांस्कृतिक भोजन और कला का प्रचार राज्य सरकार का प्रयास है कि वन्यजीव संरक्षण और इको-टूरिज्म एक-दूसरे के पूरक बनकर उत्तर प्रदेश को आने वाले समय में देश का अग्रणी इको-टूरिज्म हब बनाया जा सके। प्राकृतिक धरोहर की सुरक्षा, स्थानीय रोजगार और पर्यटन विकास–ये तीनों मिलकर नई तस्वीर गढ़ रहे हैं।

जलकुंभी से भरे तालाब में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

लखीमपुर खीरी। कोतवाली सदर क्षेत्र में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवक की पहचान टिंकू के रूप में हुई है। उसका शव नौरंगाबाद क्षेत्र में नामे महाराज कोठी के पीछे स्थित एक तालाब में देखा गया, जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही दर्ज कराई थी और अब हत्या की आशंका जताई है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मूडाअर्जुन ग्राम के पीर बाबा स्थान पर आयोजित रामलीला में सीता स्वयंवर का हुआ मंचन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मूड़ाअर्जुन गांव के वीरबाबा स्थान पर रामलीला में गुरुवार दोपहर सीता स्वयंवर में धनुषभंग की लीला का मंचन किया गया। विश्वामित्र मुनि के साथ जनकपुर में सीता स्वयंवर देखने आये श्रीराम और लक्ष्मण को देख नगरवासी निहारते रह गए।मन ही मन सीता जी ने जगदम्बा मां से श्रीराम को वर में मांगा।आयोजकों ने रंग मंच को सुंदर वनस्पति व रंग बिरंगी फूलों, गुब्बारों से सजाया सीता ने रंगमंच आकार भगवान शिव के धनुष की पूजाकर कार्यक्रम को भावनात्मक रूप दिया। बीरबाबा स्थान पर रासलीला देखने आए सैकड़ों की संख्या में मौजूद दर्शकों ने श्रीराम के जयकारे लगाए।

पहली गेंद से ही लग रहा था कि कोहली लगातार दूसरा शतक लगाने में सफल रहेंगे: गावस्कर

एजेंसी

रायपुर। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में शुरू से ही लग रहा था कि विराट कोहली शतक लगाने में सफल रहेंगे क्योंकि इस दिग्गज बल्लेबाज ने छक्का लगाकर अपना खाता खोला और पिछले मैच के अपने आत्मविश्वास को बनाए रखा। कोहली ने बुधवार को यहां 93 गेंदों पर 102 रन बनाए, जो 50 ओवर के प्रारूप में उनका 53वां शतक और सभी प्रारूप में मिलाकर 84वां शतक है। हालांकि भारत यह मैच चार विकेट से हार गया। उन्होंने 30 नवंबर को रांची में खेले गए पहले मैच में 120 गेंदों पर 135 रन बनाए थे जिससे भारत ने यह मैच 17 रन से जीता था। जियोस्टार विशेषज्ञ गावस्कर ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि वह शतक नहीं बना पाएंगे। पहली गेंद से ही ऐसा लगा कि वह रांची की अपनी पारी को ही आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''कोहली ने हुक करके छक्का जड़कर शुरुआत की। यह एक ऐसा शॉट जिसे वह अक्सर नहीं खेलते हैं। इससे उनके आत्मविश्वास का पता चलता है। उसके बाद से ही लग रहा था कि वह शतक बनाने में सफल रहेंगे। कोहली और रुतुराज गायकवाड़ (83 गेंदों पर 105 रन) ने 195 रन जोड़कर वनडे में भारत की ओर से तीसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया। गावस्कर ने कहा, ''रुतुराज के साथ उनकी साझेदारी शानदार रही।

जिन्होंने कुछ खास हासिल नहीं किया, वे रोहित-कोहली के भविष्य को तय कर रहे हैं: हरभजन

शारजाह। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह को यह दुर्भाग्यपूर्ण लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कुछ खास हासिल नहीं किया है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि यह जोड़ी 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। वह वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं इसको लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने इस बात पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है कि यह दोनों वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं। हरभजन ने यहां कहा, ''यह मेरी समझ से परे है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: केरल ने मुंबई को 15 रन से हराया, शरफुद्दीन चमके

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप 'ए' मैच में केरल ने मुंबई को 15 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केरल की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 19.4 ओवर में 163 रन पर ऑलआउट हो गई और 15 रन से मुकाबला गंवा दिया। गेंद और बल्ले दोनों से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले केरल के खिलाड़ी शरफुद्दीन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मुकाबले में जीत के साथ केरल अंक तालिका में अपने ग्रुप में 12 अंकों के साथ तीसरे पायदान में पहुंच गई है जबकि हार के बावजूद मुंबई 16 अंकों के साथ पहले स्थान में बरकरार है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की शुरुआत खराब रही और आयुष म्हात्रे (03) सस्ते में आउट हुए। इसके बाद अजिंक्य रहाणे (32), सरफराज खान (52) और सूर्यकुमार यादव (32) ने मुंबई को मैच में बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन बीच-बीच में गिरते विकेटों ने टीम की लय तोड़ दी। मुंबई की पारी 19.4 ओवर में 163 रन पर सिमट गई। केरल की ओर से केएम आसिफ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। वहीं विग्नेश पुथुर ने दो विकेट लिए तथा शरफुद्दीन, एमडी निधीश, अब्दुल बसीथ को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले केरल ने बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 178 रन बनाए। टीम के कप्तान संजू सैमसन ने 28 गेंदों में 46 रन की आक्रामक पारी खेली, जबकि विष्णु विनोद ने 43 रन की नाबाद पारी से टीम को स्थिरता दी। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 25 गेंदों पर 32 रन बनाए। आखिर में शरफुद्दीन ने सिर्फ 15 गेंदों में नाबाद 35 रन ठोककर रनगति में तेजी लाई और केरल को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई की ओर से शार्दुल ठाकुर, अथर्व अंकोलेकर, शम्स मुलानी, साईराज पाटिल और शिवम दुबे ने एक-एक विकेट लिया।

संक्षिप्त समाचार

ओपनिंग करूं या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी, कुछ देर बाद प्रक्रिया समान हो जाती है: गायकवाड़

रायपुर। सीमित ओवरों के क्रिकेट में विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने शतक लगाया और उसके बाद कहा कि उन्हें अपनी नयी भूमिका से सामंजस्य बिठाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। भारत के लिए वनडे में श्रेयस अय्यर ने चौथे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मुंबई के इस बल्लेबाज के चोटिल होने के कारण टीम प्रबंधन ने गायकवाड़ को यह जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जड़कर यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई। भारत इस मैच में हालांकि चार विकेट से हार गया था। गायकवाड़ ने मैच के बाद मीडिया से कहा, ''मेरे लिए यह सम्मान की बात है की टीम प्रबंधन ने एक ऐसे सलामी बल्लेबाज पर भरोसा दिखाया जो चौथे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकता है। मैंने अपनी इस भूमिका को इसी तरह से लिया। उन्होंने कहा, ''यह केवल शुरुआती 10 से 15 गेंद खेलने का मामला होता है और उसके बाद प्रक्रिया समान रहती है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 83 गेंदों पर 105 रन की पारी खेली और विराट कोहली (102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने पांच विकेट पर 358 रन बनाए। गायकवाड़ ने कहा, ''एकदिवसीय प्रारूप में जब मैं पारी की शुरुआत करता था तब भी मैं हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता था कि मैं 45वें ओवर तक बल्लेबाजी कर सकूं। उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि 11 से 40 ओवरों के बीच कैसे खेलना है, स्ट्राइक रोटेट कैसे करनी है और बाउंड्री के विकल्प क्या हैं। मुझे अपनी पारी आगे बढ़ाने के लिए खुद पर पूरा भरोसा था। गायकवाड़ चोटिल होने के कारण इस साल आईपीएल के सभी मैच में नहीं खेल पाए थे और उन्हें काफी समय तक बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने कहा कि वह अतीत पर ध्यान नहीं देते और वर्तमान में रहने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, ''यही बेहतर होता है कि आप इस तरह की चीजों के बारे में अधिक नहीं सोचें क्योंकि अगर आप वर्तमान में नहीं हैं तो आपका ध्यान और तैयारी पर असर पड़ता है। मेरे दिमाग में कुछ चीजें चल रही थीं, लेकिन उसके बाद मैंने तय किया कि चाहे किसी भी प्रारूप का मैच हो मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। गायकवाड़ ने कहा, ''अगर मुझे मौका मिलता है, तो यह अच्छी बात है, अगर मुझे मौका नहीं मिलता है, तब भी ठीक है। मुझे यह बात अच्छी तरह से पता है कि जितना हो सके रन बनाते रहना मेरा कर्तव्य है और अगर चीजें फिर से मेरे अनुकूल होती हैं तो यह अच्छी बात है और अगर नहीं होती हैं, तब भी अच्छी बात है।'' गायकवाड़ ने स्वीकार किया कि 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से खेली गई 105 रन की पारी उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी है। उन्होंने कहा, ''मैं हां कहूंगा क्योंकि नंबर चार पर बल्लेबाजी करना भी मेरे लिए एक चुनौती थी। सुपरस्टार विराट कोहली के साथ खेलने का मौका मिलना कुछ ऐसा था जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी, लेकिन गायकवाड़ ने अपना ध्यान रन बनाने पर केंद्रित रखा। उन्होंने कहा, ''उनकी (कोहली की) बल्लेबाजी अविश्वसनीय है और उनके पास जितना समय है और जिस तरह से वह मैच में इसका फायदा उठाते हैं, वह भी अद्भुत है। लेकिन मैं अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहा था और यह नहीं सोच रहा था कि वह कैसी बल्लेबाजी कर रहे हैं या किसी तरह से रन बना रहे हैं।

लिविंगस्टोन की आतिशी पारी से अबूधाबी नाइटराइडर्स ने शारजाह वॉरियर्स को हराया

शारजाह। लियाम लिविंगस्टोन ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 38 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेली, जिससे अबूधाबी नाइटराइडर्स ने विश्व आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में शारजाह वॉरियर्स को 39 रन से हराया। लिविंगस्टोन ने अपनी पारी में दो चौके और आठ छक्के लगाए जिससे नाइटराइडर्स चार विकेट पर 233 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। यह लीग के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इसके जवाब में वॉरियर्स की टीम नौ विकेट पर 194 रन ही बना पाई। लिविंगस्टोन को बीच के ओवरों में शेरफ़ेन रदरफोर्ड (27 गेंदों पर 45 रन) से सहयोग मिला। इससे पहले एलेक्स हेल्स (19 गेंदों पर 32 रन) और अलीशान शराफू (23 गेंदों पर 34 रन) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। लिविंगस्टोन ने पारी के अंतिम ओवर में ड्वेन प्रीटोरियस पर पांच छक्के जड़कर 33 रन बटोरे। वॉरियर्स के लिए आदिल राशिद एकमात्र सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 31 रन देकर दो विकेट लिए। मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स को अच्छी शुरुआत नहीं मिली। उसने जॉनसन चार्ल्स (10 रन), टॉम एबेल (06 रन) और टॉम कोहलर कैडमोर (14 रन) के विकेट पहले सात ओवरों में ही खो दिए, जब स्कोर केवल 56 रन था। टिम डेविड (24 गेंदों पर 60 रन) ने टीम को वापसी दिलाने की कोशिश की। डेविड ने नौवें ओवर में पीयूष चावला पर लगातार तीन छक्के जड़े। सिकंदर रजा (08 रन) और दिनेश कार्तिक (05 रन) के विकेट गिरने के बावजूद डेविड ने दूसरे छोर से रन बनाना जारी रखा। उनके अलावा प्रीटोरियस (20 गेंदों पर 39 रन) और आदिल राशिद (11 गेंदों पर 25 रन) ने भी योगदान दिया लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया।

बीईएमएल को स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीन बनाने के लिए 157 करोड़ रुपये का ऑर्डर

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी बीईएमएल लि. ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे लोरम रेल मेंटेनेंस इंडिया प्राइवेट लि. से स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीन बनाने का 157 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। ये विशेष मशीनें रेलवे पटरियों के रखरखाव में मदद करेंगी और सुरक्षित तथा सुचारू रेल संचालन सुनिश्चित करेंगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि ''बीईएमएल लि. को लोरम रेल मेंटेनेंस इंडिया प्राइवेट लि. से स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीन बनाने का 157 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीन विशेष रेलवे रखरखाव वाहन हैं।

श्रीलंका में टी20 श्रृंखला में नए खिलाड़ियों को मौका दे सकता है पाकिस्तान

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की चयन समिति श्रीलंका में सात से 11 जनवरी तक होने वाली तीन मैच की टी20 श्रृंखला के लिए अपनी टीम में कुछ नए चेहरे शामिल कर सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पीसीबी ने ऑस्ट्रेलिया में 14 दिसंबर से जनवरी तक चलने वाली बिग बैश लीग में खेलने के लिए छह मुख्य खिलाड़ियों को एनओसी जारी कर रखी है। इसके बाद ही उसने श्रीलंका दौरे का कार्यक्रम बनाया। यह पहला अवसर है जब पाकिस्तान के इतने खिलाड़ी बीबीएल में खेलेंगे। इन खिलाड़ियों में बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी, मुहम्मद रिजवान, हसन अली, हारिस रऊफ और शादाब खान शामिल हैं। रिजवान को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ी टी20 में पाकिस्तान की टीम के लिए खेल रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीमों को पाकिस्तानी खिलाड़ियों को अनुबंधित करने की अनुमति देने से पहले यह स्पष्ट कर दिया था कि वे पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे।

बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में होगी भारत की असली परीक्षा

चेन्नई। भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी। चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा। यहां से कोई भी चूक भारत के नौ साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए। पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। श्रीजेश भी पूल चरण के प्रदर्शन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। अगले मैच से असली टूर्नामेंट शुरू होगा और हमारे लिए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है। बेल्जियम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा लेकिन भारत को उसे किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करनी होगी। बेल्जियम ने अभी तक टूर्नामेंट में 22 गोल किए हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाली टीमों में तीसरे नंबर पर है। उसने 11 मैदानी गोल किए जबकि इतने ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। श्रीजीश ने कहा, ''जूनियर विश्व कप कोई आसान टूर्नामेंट नहीं है। मेरा मतलब है कि इनमें से कोई भी टीम आपको आसानी से जीत हासिल नहीं करने देगी।

एरिगैसी ने आनंद को हराकर जेरूशलम मास्टर्स का खिताब जीता

जेरूशलम। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने यहां फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए। इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफ़ेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था। एरिगैसी ने बाद में कहा, ''यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं।

भारत और कनाडा ने व्यापार समझौते पर बातचीत की रूपरेखा पर चर्चा की

- गोयल नए साल में कनाडा में हाई-लेवल ट्रेड, इन्वेस्टमेंट डेलीगेशन को लीड करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने बुधवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए रूपरेखा, उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर चर्चा की।

दोनों पक्ष हाल ही में इस समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि कनाडा के साथ व्यापार और वाणिज्यिक जुड़ाव को आगे बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ एक अच्छी बातचीत हुई। गोयल ने आगे लिखा है कि हमने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) बातचीत शुरू करने की तैयारी के हिस्से के तौर पर समग्र दृष्टिकोण, रूपरेखा, मैक्रो उद्देश्य और तौर-तरीके पर शुरुआती स्कोपिंग और बड़ी बातचीत की है। गोयल ने बताया कि दोनों देश नए साल में कनाडा में एक उच्च-स्तरीय व्यापार और निवेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने पर भी सहमत हुए हैं। गौरतलब है कि साल 2023 में कनाडा ने भारत के साथ समझौते के लिए बातचीत रोक दी थी, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का संभावित लिंक होने के आरोपों के बाद दोनों देश के द्विपक्षीय संबंध बहुत खराब हो गए थे।

फिच ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.4 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है। एजेंसी ने इसके पीछे उपभोक्ता खर्च में बढ़ोतरी और जीएसटी सुधारों से बेहतर आर्थिक माहौल को प्रमुख कारण बताया है। फिच रेटिंग्स ने गुरुवार को दिसंबर के लिए जारी अपनी ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है। इससे पहले रेटिंग एजेंसी ने 6.9 फीसदी आर्थिक वृद्धि दर रहने का अनुमान जताया था। एजेंसी का कहना है कि उपभोक्ता खर्च में बढ़ोतरी, व्यावसायिक माहौल में सुधार और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधारों से बढ़ी अर्थव्यवस्था की रफ्तार इस तेज वृद्धि के प्रमुख कारण हैं। फिच ने जारी बयान में दिसंबर के लिए अपनी ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा, ''चालू वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च के आखिर तक) के बचे हुए समय में ग्रोथ कम होगी, लेकिन हमने अपने पूरे साल के ग्रोथ के अनुमान को सितंबर के 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है। रेटिंग एजेंसी का यह अनुमान सरकारी डेटा के बाद आया है, जिसमें दिखाया गया है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ छह तिमाहियों के सबसे ऊंचे लेवल 8.2 फीसदी पर पहुंच गई।

सिक्का ग्रुप ने समूह आवासीय परियोजना के लिए बिरला एस्टेट्स के साथ किया गठजोड़

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सिक्का ग्रुप ने ग्रेटर नोएडा में समूह आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए बृहस्पतिवार को बिरला एस्टेट्स के साथ भागीदारी की घोषणा की। दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में कहा कि यह परियोजना सिक्का समूह के स्वामित्व वाले पांच एकड़ के भूखंड पर विकसित की जाएगी। कंपनी यह परियोजना बिरला एस्टेट्स के साथ मिलकर विकसित करेगी। परियोजना में आदित्य बिड़ला समूह की रियल एस्टेट इकाई बिरला एस्टेट्स लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी इस परियोजना के साथ पहली बार नोएडा में कदम रख रही है। मामले से जुडे लोगों के अनुसार, परियोजना के पूरा होने पर इसका सकल विकास मूल्य लगभग 1,600 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। सिक्का ग्रुप के प्रबंध निदेशक हरविंदर सिंह सिक्का ने कहा, ''ग्रेटर नोएडा लंबे समय के लिए बेहद संभावनाओं वाला बाजार है। बिरला एस्टेट्स के साथ आने से परियोजना में विश्वसनीयता और गति दोनों जुड़ेंगी। हमें भरोसा है कि हम इसे समय पर और बेहतरीन गुणवत्ता के साथ पूरा करेंगे। बयान के अनुसार, सिक्का ग्रुप के लिए यह गठजोड़ परियोजना को वित्तीय मजबूती और समय पर पूरा करने की क्षमता देगा। वहीं बिरला एस्टेट्स उन बाजारों में कदम बढ़ा रहा है, जहां अटकी पड़ी परियोजनाओं को मजबूत भागीदारी और प्राधिकरण के समर्थन से फिर से चालू किया जा रहा है।

घरेलू सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी ने लगाई 3,100 रुपये प्रति किलो की छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में एक दिन की कमजोरी के बाद आज फिर सोना और चांदी की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 670 रुपये प्रति ग्राम से लेकर 730 रुपये प्रति ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 3,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी आ गई है। सोने की कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,30,590 रुपये से लेकर 1,30,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,19,710 रुपये से लेकर 1,19,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,91,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,30,740 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,30,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,30,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,30,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

काशी-तमिल संगमम : दर्शकों को भा रही डीसी हैंडीक्राफ्ट्स की काष्ठ-कला, मोदी भी हैं मुरीद

- उत्कृष्ट कृति 'राज गद्दी–राम दरबार' से इंडोनेशिया के राष्ट्रपति हुए थे प्रभावित
- नमोघाट पर सजा स्टॉल काशी की सात पीढ़ियों पुरानी विरासत का जीवंत प्रमाण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करता काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण चल रहा है। नमोघाट पर लगे स्टॉलों पर प्रदर्शित काष्ठ-कला कृतियां की अनूठी छटा आगंतुकों के आकर्षण का विशेष केंद्र बनी हुई है। यहां उत्तर भारतीय परंपराओं और तमिल संस्कृति का गहरा संबंध कलाकृतियों के रूप में जीवंत होता दिख रहा है। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम तमिल करकलाम (तमिल सीखो) है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की पहल पर घाट पर लगे विभिन्न संस्थाओं के स्टॉलों में से स्टॉल संख्या 29 पर मौजूद वाराणसी के डीसी हैंडीक्राफ्ट्स ने सबका ध्यान खींचा है। इस स्टॉल की हर कलाकृति काशी की सात पीढ़ियों पुरानी काष्ठ-परंपरा का प्रतीक मानी जाती है। इस संबंध में विशेषज्ञ कारीगर शिक्षक ओम प्रकाश शर्मा और नंदलाल शर्मा बताते हैं कि वे इस विशिष्ट कला रूप के सातवीं पीढ़ी के कलाकार हैं और आज वाराणसी में इस शैली के अकेले संरक्षक भी। हाथों की निपुणता और वर्षों की साधना से लकड़ी को जीवन देने वाली यह परंपरा अब उनके ही प्रयासों से आगे बढ़ रही है। दोनों कारीगर एनआईएफटी रायबरेली सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्यशालाएं भी आयोजित कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि सालों पहले आर्थिक संकट और घटती मांग के चलते जब कला के अस्तित्व पर संकट गहरा गया था, तब वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रोत्साहन ने उनकी राह बदल दी। नंद लाल शर्मा बताते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने न सिर्फ हौसला बढ़ाया, बल्कि उनकी कला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने का अवसर भी दिया। इसी का परिणाम है कि आज डीसी हैंडीक्राफ्ट्स की काष्ठ-कला देश-विदेश में प्रशंसा पा रही है। उन्होंने बताया कि उनकी उत्कृष्ट कृति 'राज गद्दी-राम दरबार' को वर्ष 2022 में छ्व शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो को भेंट किया था। यह काशी की कला परंपरा के लिए गर्व का क्षण माना जाता है। इस स्टॉल पर खरीदारी कर रहे शिवम सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने परिवार के सभी सदस्यों के लिए लकड़ी के चाबी छल्ले खरीदे हैं। उन्होंने कहा कि इतनी सूक्ष्म, सुंदर और किफायती कलाकृतियां मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वे इसे काशी की धरोहर का अमूल्य उपहार मानते हैं। इस स्टॉल का मुख्य आकर्षण भव्य पंचमुखी हनुमान की मूर्ति है। इसे कलाकारों ने बिना किसी मशीन की सहायता के छह महीनों की कठोर साधना में तैयार किया है। लगभग 1,20,000 रुपये मूल्य वाली यह मूर्ति कालमा, कदम और गूलर की लकड़ियों के संयोजन से बनाई गई है, जिनका रंग और सुगंध चंदन जैसी अनुभूति देती है। कलाकारों के अनुसार यह लघु काष्ठ-कला प्रतिदिन केवल दोपहर 12 से 2 बजे तक प्राकृतिक धूप में ही गढ़ी जा सकती है, क्योंकि कृत्रिम प्रकाश में वह आवश्यक सूक्ष्मता संभव नहीं होती।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आरएसएस भवन मामले में कुलपति के खिलाफ एक्स पार्टी का आदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में स्थापित आरएसएस भवन को फिर से संचालित करने और वहां किसी भी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न होने देने के संबंध में दाखिल वाद पर गुरुवार को सिविल जज (जूनियर डिवीजन) शमाली मित्तल के कोर्ट में सुनवाई के दौरान काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति के विरुद्ध एक तरफा एक्स पार्टी कार्यवाही का आदेश पारित किया। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) शमाली मित्तल के कोर्ट में विचाराधीन इस मुकदमे में वादी प्रमील पाण्डेय की ओर से अधिवक्ता गिरीश चंद्र उपाध्याय एवं मुकेश मिश्रा ने पक्ष रखते हुए न्यायालय को अवगत कराया कि अब तक काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति मुकदमे में प्रस्तुत नहीं हुए हैं। प्रतिवादी संख्या दो होने के बावजूद न तो एफिडेविट दिया है और न तो वादी या उनके अधिवक्ता को कोई प्रति उत्तर काशी हिंदू विश्वविद्यालय की ओर से प्राप्त हुआ है। इतने गंभीर प्रकरण को बीएचयू द्वारा कोई तवज्जो नहीं दिया जा रहा है। न्यायालय द्वारा प्रतिवादी को अंतिम अवसर दिया गया। इसके बावजूद प्रतिवादी संख्या दो कुलपति द्वारा न्यायालय में एफिडेविट न दिया जाना, घोर अनियमितता दर्शाता है। अतः कुलपति काशी हिंदू विश्वविद्यालय के विरुद्ध (एक्स पार्टी) अर्थात एक तरफ आदेश पारित किया जाए। न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्य एवं वकीलों की दलिल सुनने के पश्चात न्यायालय ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति के विरुद्ध (एक्स पार्टी) अर्थात एक तरफा आदेश पारित करते हुए अगली सुनवाई की तिथि 14 दिसम्बर नियत किया। यह है पूरा मामलाः वादी प्रमील पांडेय ने बीएचयू में स्थापित आरएसएस भवन को पुनः संचालित करने और वहां किसी भी प्रकार का अवरोध न होने देने की मांग को लेकर अदालत में वाद दायर किया है। वाद में कहा गया है कि बीएचयू में वर्ष 1931 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा प्रारंभ हुई थी। महामना पं. मदन मोहन मालवीय की पहल पर वर्ष 1937-38 में दो कमरों का एक संघ भवन भी बनवाया गया था। यह भवन उस समय के प्रति कुलपति राजा ज्वाला प्रसाद के माध्यम से निर्मित कराया गया था। वर्तमान में यह भवन विधि संकाय परिसर में स्थित है और इसे 'संघ स्टेडियम' के नाम से जाना जाता था। इसी बीच, आपातकाल (इमरजेंसी) के दौरान 22 फरवरी 1976 को तत्कालीन कुलपति कालूलाल श्रीमाली के कार्यकाल में इस भवन को रातों रात ध्वस्त करा दिया गया था।

कोडीन युक्त कफ सिरप : आज़मगढ़ में मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

- ड्रग इंस्पेक्टर की तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

आज़मगढ़। उत्तर प्रदेश में कोडीन कफ सीरप की खरीद-बिक्री में अनियमितताओं का मामला सुर्खियों में है। इसी से जुडे मामले में आजमगढ में ड्रग इंस्पेक्टर की तहरीर पर एक मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि आरोपी ने लाखों बोतलें खरीदीं, लेकिन उनका कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया। आज़मगढ़ के दीदारगंज थाना क्षेत्र के मार्टीनगंज के बनगांव में एएस फार्मा नाम से मेडिकल स्टोर चलाने वाले जेठारी नरवे निवासी बीपेंद्र सिंह ने आजमगढ़, बस्ती और जौनपुर की फर्मों से कुल 3 लाख 28 हजार कोडीन कफ सिरप की बोतलें खरीदीं। बीते 28 नवंबर को निरीक्षण के दौरान उनकी दुकान बंद मिली। मकान मालिक ने बताया कि आरोपी एक साल पहले ही दुकान छोड़ चुका है। घर पर भी वह नहीं मिले और फोन, ईमेल व व्हाट्सएप के जरिए भी खरीद-बिक्री संबंधी विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया। ड्रग इंस्पेक्टर सीमा वर्मा ने बताया कि जीएसटी और एकाउंट्स का कोई विवरण उपलब्ध नहीं कराए जाने से सीरप के दुरुपयोग की आशंका है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि कोडीन युक्त कफ सीरप के मामले में ड्रग इंस्पेक्टर की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ दीदारगंज थाना में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सपा नेता व पूर्व विधायक के बेटे सहित 25 के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

प्रयागराज (राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज)। उप्र के प्रयागराज जिले में स्थित सिविल लाइन थाने में गुरुवार को सपा नेता एवं पूर्व विधायक के बेटे समेत 25 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। यह मुकदमा सिविल लाइन के रहने चाय की दुकान स्वामी की तहरीर पर दर्ज किया गया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फ्लैट में देह व्यापार मामले में भाजपा नेत्री और उनके पति ने आरोपों को खारिज किया

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा क्षेत्र के एक फ्लैट में देह व्यापार मामले में भाजपा नेत्री शालिनी यादव और उनके पति अरूण यादव ने सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे तमाम आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने गुरुवार को स्पष्ट कहा कि 'मेलोडी स्पा' से उनका या उनके किसी परिचित का कोई संबंध नहीं है। यहां रामकटोरा स्थित एक रेस्टोरेंट में मीडिया से बातचीत के दौरान अरूण यादव ने कहा कि सिगरा क्षेत्र की शक्ति शिखा बिल्डिंग में स्थित फ्लैट नंबर 112 उनके स्वामित्व में वर्ष 1999 से है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

कलात्मक गतिविधियाँ रचनात्मकता को बढ़ाती हैं : प्रो चारू महरोत्रा

- प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गोकुलदास कालेज की तनु रानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में गोकुलदास हिंदू गर्ल्स डिग्री कालेज में चित्रकला विभाग द्वारा मिशन शक्ति अभियान 0.5 के अंतर्गत स्वच्छ वायु, स्वच्छ पर्यावरण, प्रदूषण-रहित हरित नगर विषय पर जिले भर के महाविद्यालयों की गुरुवार को लैंडस्केप पेंटिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कालेज की प्राचार्या प्रोफ़ेसर चारू मेहरोत्रा ने छात्राओं द्वारा प्रदर्शित कलाकृतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल रचनात्मकता को बढ़ाती हैं, बल्कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी विकसित करती हैं। प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी तूलिका एवं रंगों के माध्यम से स्वच्छ वायु के महत्व, पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता तथा प्रदूषित हवा से होने वाले दुष्प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। कलाकृतियों में स्वच्छ हवा के लाभ एवं प्रदूषण रहित हरित शहर की कल्पना को अत्यंत रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता में 300 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गोकुलदास की तनु रानी, द्वितीय स्थान पर दयानंद डिग्री कॉलेज की तसररून, तृतीय स्थान पर एम एच कालेज शादिया रही। कार्यक्रम संचालन एवं संयोजन चित्रकला प्रभारी डॉ. प्रेमलता कश्यप ने किया । निर्णायक मंडल में प्रोफ़ेसर मीनाक्षी शर्मा, प्रोफ़ेसर एकता भाटिया रहीं। इस अवसर पर चीफ प्रॉक्टर प्रोफ़ेसर किरण साहू, प्रोफ़ेसर मीनाक्षी शर्मा, प्रोफ़ेसर सुदेश, प्रोफ़ेसर प्रवीण, प्रोफ़ेसर करुणा आदि कॉलेज की शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं जबकि छात्राओं में अलीशा, अंजुम, राहीन, मदीहा, लाइवानुर, करुणा, गुलरोज जहरा, भूमिका पाल आदि का सहयोग रहा।

दिल्ली से दो लाख रुपये में आई दुल्हन निकली लुटेरी, लाखों के जेवर –नगदी लेकर फरार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत, 4 दिसंबर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के ललियाना गांव से नई नवेली दुल्हन लाखों की नगदी और गहने लेकर फरार हो गयी। युवक की शादी डेढ़ माह पहले ही हुई थी और दिल्ली में बिचौलिए ने दो लाख रुपए लेकर शादी कराई थी। पीड़ित पति ने चांदीनगर थाने पर मामले की शिकायत की है। ललियाना गांव निवासी सन्नी पुत्र जसवीर ने बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति ने अक्टूबर माह में दिल्ली के मजनू का टीला से उसकी शादी कराई थी। इस शादी के लिए बिचौलिये ने दो लाख रुपये लिए थे। शादी में पांच लोग दिल्ली गए थे और फ़ेरे के बाद दुल्हन को अपने घर ले आए थे। आरोप है कि दुल्हन शादी के एक सप्ताह तक उसके घर पर रही। इसके बाद उसके परिजन भाई, मां और बहन उसे अपने साथ लेने पहुंचे। दुल्हन अपने साथ पचास हजार रुपये नकद और लाखों रुपये के जेवरात लेकर चली गई। सन्नी का कहना है कि दो दिन पहले वह अपने परिजनों के साथ नवविवाहिता पत्नी को लेने दिल्ली स्थित उसके घर पहुंचे। वहां उन्हें कोई नहीं मिला। पड़ोसियों से पूछताछ करने पर पता चला कि वे लोग किराए के मकान में रहते थे और अब कहीं और चले गए हैं। उन्होंने बिचौलिये से मामले की जानकारी ली तो उसने भी जानकारी से इंकार कर दिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत चांदीनगर थाने में करने की बात कही है। चांदीनगर थाना प्रभारी अतर सिंह का कहना है कि उन्हें अभी तक कोई शिकायती पत्र नहीं मिला है।

मदनी के बयान पर बरेली में उबाल वीएचपी ने किया पुतला दहन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। मौलाना अरशद मदनी के हालिया बयानों को लेकर गुरुवार को बरेली में विरोध तेज हो गया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बरेली कॉलेज चौराहे पर प्रदर्शन करते हुए मदनी का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि भोपाल में सार्वजनिक मंच से दिए गए मदनी के बयान देश में तनाव फैलाने वाले हैं और धार्मिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि वंदे मातरम्, सनातन धर्म और न्यायपालिका को लेकर की गई टिप्पणियां अस्वीकार्य हैं। उनका आरोप था कि मदनी ने अपने संबोधन में समुदाय विशेष को उकसाने की कोशिश की और अदालतों के फैसलों पर सवाल उठाकर संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा को ठेस पहुँचाई। बजरंग दल महानगर संयोजक केवला नन्द गौड़ ने कहा कि वंदे मातरम् हर भारतवासी के सम्मान का प्रतीक है। इसे विवादित बताना देश विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने मांग की कि सरकार ऐसे बयानों पर कड़ी कार्रवाई करे ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने का साहस न कर सके। प्रदर्शन स्थल पर पुलिस बल मौजूद रहा और स्थिति पर नजर बनाए रखी। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि आरोपित बयानों पर कार्रवाई न हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

बुंदेलखंड की महिलाओं ने अनूठे स्टार्टअप्स से बनाई पहचान

- फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में झांसी की शिवानी ने किया अभिनव प्रयोग
- शिवानी और नीलम के स्टार्टअप्स को सरकार ने सराहा, राष्ट्रीय स्तर पर दिलाई पहचान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। योगी सरकार के स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने की पॉलिसी से बुंदेलखंड की महिलाओं ने सफलता की नई कहानियां लिखने का काम किया है। झांसी की कई महिलाओं के स्टार्टअप्स इस समय देश और प्रदेश में चर्चा का विषय हैं। इनमें से एक है शिवानी के बेर से बने प्रोडक्ट और दूसरा है नीलम की कबाड़ से बनी कलाकृतियां। इन दोनों को ही सरकार की ओर से सम्मान और प्रोत्साहन प्रदान किया गया है। झांसी जिले की रहने वाली शिवानी बुंदेला ने फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए बेर के ऐसे-ऐसे प्रोडक्ट बनाए हैं, जो किसी का भी ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं। बेर से जूस, जैम, चॉकलेट और टॉफी बना चुकी शिवानी अभी हाल के दिनों में एक नया प्रोडक्ट सामने लाई हैं, जो है बेर से बना स्नैक्स। शिवानी के स्टार्टअप को आगे बढ़ाने में झांसी स्मार्ट सिटी, उद्यान विभाग और एमएसएमई ने काफी मदद प्रदान की। जी- 20 के आयोजन में शिवानी के स्टार्टअप को गिफ्टिंग पार्टनर बनाया गया था और काफी सराहना मिली थी। शिवानी ने अपने ब्रांड को अब्रोसा नाम दिया है। शिवानी लगभग 250 किसानों से बेर खरीद रही हैं जबकि उनके स्टार्टअप के माध्यम से 20 से अधिक महिलाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीनों संस्करणों में शिवानी हिस्सेदारी निभा चुकी हैं। अभी कुछ समय पहले शिवानी को यूनाइटेड नेशन्स एनवायरनमेंट प्रोग्राम के तहत एग्रो फॉरेस्ट्री को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी मिली है। बेकार सामानों से कलाकृतियां तैयार करने वाली झांसी की नीलम सारंगी के स्टार्टअप बेकार के आकार को उत्तर प्रदेश सरकार ने सम्मानित करने के साथ ही प्रोत्साहित भी किया है। झांसी नगर निगम के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत निष्प्रयोज्य सामानों से पार्कों में सुंदर कलाकृतियां तैयार करने का काम किया। योगी सरकार ने नीलम सारंगी को अनूठे स्टार्टअप के लिए नवदेवी सम्मान प्रदान किया है। नीलम का स्टार्टअप इस समय बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर में पंजीकृत है। नीलम ने अपने स्टार्टअप के साथ उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो, स्टार्टअप महाकुंभ और राइज हैकथान जैसे आयोजनों में हिस्सेदारी निभाई है। नीलम इस समय स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भरता का प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। शिवानी बुंदेला ने बताया कि उनके स्टार्टअप को बढ़ावा देने में सरकार और प्रशासन ने काफी मदद की है। उनके स्टार्टअप के माध्यम से बेर से बने उत्पादों को प्रोत्साहित किया जा रहा है और बर्बाद होने वाले बेर को बचाने की कोशिश की जा रही है। बहुत सारी महिलाओं को इससे रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। वहीं नीलम सारंगी का कहना है कि नगर निगम, स्मार्ट सिटी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके स्टार्टअप 'बेकार को आकार' को प्रोत्साहित करने में मदद की। अब कोशिश है कि महिलाओं को यह हुनर सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित किया जा रहा है।